www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-109 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, शनिवार 21 जून, 2025

आज का विचार

इंसान तब तक सहन करता है जब तक उसकी सहन करने की क्षमता होती है उसके बाद ना तो वो रिश्तों को जरूरी समझता है और ना तो अपना को।।

सीएमपीएफ क्लर्क की नियुक्ति को लेकर तीन खदानों में एटक का धरना

कामिंदु मेंडिस ने बांग्लादेश के खिलाफ जड़ा दूसरा अर्धशतक, 5,000 प्रथम श्रेणी रन पूरे

मार्च 2026 तक नक्सलवाद का जड़ से होगा खत्म : मुख्यमंत्री साय

- शांति और विकास राह पर बढ़ रहा है बस्तर, शासन की योजनाओं से बदली गांवों की तस्वीर
- पहली बार राजधानी पहुंचे बीजापुर के सुदूर गांवों के युवा, मुख्यमंत्री से आत्मीय मुलाकात कर रखी अपनी बात

रायपुर। इच्छाशक्ति, संवेदना और समावेशी नीति से हमने बस्तर में बदलाव की नई शुरूआत की है। बस्तर के युवाओं का आत्मबल ही हमारी प्रेरणा है और हम सब मिलकर नया बस्तर गढ़ेंगे। आप सभी ने पहली बार राजधानी रायपुर को देखा है, आप सभी का यहां स्वागत है और आपकी यह यात्रा सुखद और चिरस्मरणीय हो। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज अपने निवास में प्रदेश के सुदूर और नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के नियद नेल्ला नार ग्राम पंचायतों के 96 युवक-युवतियों के दल से आत्मीय संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'नियद नेल्ला नार' जैसी योजनाओं के माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास की नई राह खोल रही है। उन्होंने कहा कि आप छत्तीसगढ़ के भविष्य हैं और आप सभी की भागीदारी से ही हम बस्तर क्षेत्र और प्रदेश को आगे लेकर जायेंगे। श्री साय ने कहा कि 'नियद नेल्ला नारइ योजना से जुड़कर जहां गांवों की तस्वीर बदल रही है, वहीं युवाओं को भी आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि हमारी सरकार आपके क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित करने में जुटी हुई है और केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह ने ठान लिया है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि माओवादी आपके क्षेत्र में विकास नहीं चाहते, लेकिन विकास के रास्ते आने वाली सभी बाधाओं को हम दूर करेंगे। बस्तर का मनोबल हमें नक्सलवाद जैसी कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने की ऊर्जा दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर आपके क्षेत्र में घने जंगल, मनमोहक झरने और ऊँचे पहाड़ हैं। वहां भूमि उपजाऊ है और अच्छी खेती होती है। हमारी सरकार खेती को समृद्ध बनाने के लिए पानी की सुविधा आप तक पहुंचाने का काम कर रही है। श्री साय ने कहा कि आप सभी खेती को बढ़ावा दें और जो विद्यार्थी हैं, वे मन लगाकर अच्छी शिक्षा प्राप्त करें। प्रदेश के विकास में आपका सहयोग हमारे लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने 'बस्तर ओलंपिकइ और 'बस्तर पंडुमइ जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा यह बस्तर की आत्मा की अभिव्यक्ति हैं। इन आयोजनों में हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों की भागीदारी ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि बस्तर अब नए युग की ओर अग्रसर है। बस्तर की कला, संस्कृति और धरोहर को संजोने का कार्य हम सब मिलकर आगे भी करते रहेंगे। आज बस्तर वासियों ने यह दिखा दिया है कि वे हिंसा नहीं, शांति और विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर की धरती वीरता, धैर्य और स्वाभिमान की प्रतीक रही है और अब हम सब मिलकर इसे विकास और समृद्धि के रास्ते पर आगे लेकर जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण, खेल और शिक्षा के माध्यम से सरकार हर युवा को एक नया अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री साय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे मुख्यधारा से जुड़कर समाज में बदलाव के वाहक बनें और मजबूत, सुरक्षित व समृद्ध बस्तर के निर्माण में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री से युवाओं ने साझा किए अपने विचार, कहा - "बस्तर को बदलने का बनेंगे माध्यम

बीजापुर जिले के सुदूर गांवों से राजधानी पहुंचे युवाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से खुलकर संवाद किया। युवाओं ने न सिर्फ अपने अनुभव साझा किए, बल्कि अपने सपनों और संकल्पों की भी बात की। उन्होंने कहा कि हम शिक्षा, खेल, हुनर और सेवा के रास्ते पर चलकर अपने जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं। बस्तर को बदलना है, और हम इस बदलाव के सहभागी बनना चाहते हैं। युवाओं ने बताया कि 'नियद नेल्ला नार' योजना ने उन्हें नई पहचान और दिशा दी है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम के साथ ही वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

पहला कॉलम

राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन बैठक में हिस्सा लेने चीन जाएंगे, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री भी होंगे

नईदिल्ली,20 जून (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने के लिए 25 जून से 27 जून तक चीन के दौरे पर रहेंगे। एससीओ में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की यह बैठक चीन के किंगदाओ शहर में होगी। इसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। बैठक के दौरान सिंह अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जून और रूसी समकक्ष आंद्रे बेलैसोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। ख्वाजा आसिफ से कोई बैठक प्रस्तावित नहीं है।

पिछले 7 साल से किसी भारतीय मंत्री ने चीन का दौरा नहीं किया था। राजनाथ सिंह के रूप में किसी भारतीय मंत्री का यह दौरा 7 साल बाद हो रहा है। इससे पहले 2018 में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अप्रैल में चीन का दौरा किया था। हाल में विदेश सचिव विक्रम मिस्री और चीनी उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग ने दिल्ली में बातचीत की थी, तब भारत ने चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए अपना समर्थन दोहराया था। सिंह का चीन दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू होने वाली है, डेपसांग और डेमचोक में गश्त हो रही है, भारत-चीन सीमा पर तनाव कम करने के साथ व्यापार और यात्रा पर द्विपक्षीय संबंध बढ़ाया जा रहा है।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 6-7 जुलाई तक ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मिल सकते हैं।

कुछ अलग

चेन्नई से मदुरै जा रही इंडिगो की उड़ान तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटी

चेन्नई,20 जून (ए)। तमिलनाडु के चेन्नई से मदुरै जा रही इंडिगो की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटना पड़ा। विमान में 68 यात्री सवार थे।

इंडिगो की उड़ान ने शुक्रवार सुबह करीब 7:55 बजे चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मदुरै के लिए उड़ान भरी थी। हवा में 30 मिनट तक रहने के बाद चालक दल को तकनीकी खराबी का पता चला। इसके बाद विमान को वापस चेन्नई लाने का फैसला लिया गया। चेन्नई हवाई अड्डे पर यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया गया है। विमान उतरने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। हवाईअड्डा प्राधिकारियों की ओर से पुष्टि की कि प्रभावित यात्रियों को समायोजित करने और मदुरै तक यात्रा जारी रखने के लिए तुरंत एक अन्य विमान की व्यवस्था की गई है। अभी इंडिगो की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इससे पहले भी इंडिगो की अन्य उड़ान तकनीकी खराबी की वजह से उड़ान भरने के बाद लौट चुकी हैं। इससे पहले 19 जून को दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो की उड़ान में तकनीकी खराबी आने के बाद उसे वहां उतरने से कुछ समय पहले वापस मोड़ लिया गया था।

दिल्ली-एनसीआर में मॉनसून की दस्तक जल्द, 4 दिन तक बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली,20 जून (ए)। दिल्ली एनसीआर में बारिश होने से लोगों को राहत मिली है, जिसके अगले कुछ दिन बरकरार रहने की उम्मीद है. दरअसल, भारत मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से दिल्ली में मानसून को लेकर तारीख जारी कर दी गई है. इसमें कहा गया है कि इस साल तक 22 जून मानसून दिल्ली पहुंच सकता है. शुक्रवार सुबह 7 बजे दिल्ली का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं अधिकतम तापमान 36-38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा सकता है. इसके अलावा बारिश और तेज हवाओं को लेकर चार दिन के येलो अलर्ट भी जारी किया गया है. इस दौरान 30-40 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल सकती है. वहीं शाम के समय करीब 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है. इससे पहले गुरुवार को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया. गुरुवार को एक्यूआई 89 दर्ज किया गया. दिल्ली के इलाकों की बात करें तो शुक्रवार सुबह पूसा में 184, शादीपुर में 71, पंजाबी बाग में 69, नॉर्थ कैंपस डीयू में 59, मुंडका में 129, मंदिर मार्ग क्षेत्र में 51, वजीरपुर में 126, अशोक विहार में 68, द्वारका सेक्टर 8 में 96, एनएसआईटी द्वारका में 73, रोहिणी में 82, आरके पुरम में 66, चांदनी चौक में 62, लोदी रोड क्षेत्र में 53, जहांगीरपुरी में 104, आईटीओ क्षेत्र में 52, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 53, डीटीयू क्षेत्र में 85, बुराड़ी चॅसिंग में 51, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम क्षेत्र में 108, सिरीफोर्ट में 54, सोनिया विहार में 88 और नेहरू नगर में एक्यूआई 57 दर्ज किया गया.

एसीबी कार्यालय में मनीष सिसोदिया से पूछताछ खत्म, बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली,20 जून (ए)। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एसीबी कार्यालय पहुंचे. पूछताछ के बाद वह करीब दोपहर 2:30 बजे एसीबी कार्यालय से निकले. पूछताछ से पहले उन्होंने कहा, मैं आज एसीबी के सामने सारी बातें रखूंगा. मैं कहना चाहता हूं कि यह राजनीति से प्रेरित मामला है. भाजपा केवल फर्जी एफआईआर दर्ज करती है और मामला चलता रहता है. यह पूरी तरह से झूठा मामला है. इस मामले से कुछ नहीं निकलेगा. बीते 9 जून को पहले समन पर पूछताछ के लिए जाने में मनीष सिसोदिया ने जाने पर असमर्थता जताई थी, जिसके बाद एसीबी ने उन्हें दूसरा समन भेजा था.

एसीबी ने 30 अप्रैल को कथित 2000 करोड़ के क्लासरूम घोटाले के संबंध में एफआईआर दर्ज किया था और इस केस में करीब 12,748 क्लासरूम और इमारत के निर्माण में अनियमितता बरतने का आरोप है. मामले में 6 जून को तलब किए गए आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन से एसीबी ने पांच घंटे तक पूछताछ की थी. हालांकि पूछताछ के बाद सत्येंद्र जैन ने बीजेपी पर

0-क्लासरूम निर्माण घोटाला मामला

हमला बोलते हुए कहा था कि बीजेपी कोई वास्तविक काम नहीं कर रही है और निजी हितों का समर्थन करने के लिए ये राजनीतिक खेल खेल रही है. आम आदमी पार्टी की सरकार ने इतने अच्छे स्कूल बनाए हैं, फिर भी उन्होंने मुझे और मनीष सिसोदिया को भी बुलाया.

दरअसल, इस बाबत बीजेपी नेता हरीश खुराना ने शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने आरोप लगाया था कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान 12,748 कक्षाओं/भवनों के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये घोटाला हुआ है. सीमेंट (आरसीसी) से बनी कक्षाओं की औसत लाइफ 75 होती है, इस बजट में सेमी पक्का संरचना का निर्माण किया गया, जिसकी अवधि 30 साल बताई गई है.

कथित तौर पर परियोजना को आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ ठेकेदारों को दिया गया था. इसके बाद भी लागत में बढ़ोतरी हुई और निर्धारित समय अवधि के भीतर काम पूरा नहीं हुआ. वहीं टेंडर प्रक्रिया का पालन किए बिना सलाहकार और वास्तुकार नियुक्त किए गए और उनके माध्यम से लागत में वृद्धि की गई. बता दें कि, इस संबंध में केंद्रीय जांच आयोग (सीवीसी) द्वारा मुख्य तकनीकी परीक्षक रिपोर्ट ने परियोजना में कई विसंगतियों की ओर इशारा किया था और रिपोर्ट को लगभग तीन वर्षों तक तत्कालीन सरकार पर दबाए रखने का भी आरोप लगाया गया.

पंजे और लालटेन वालों ने बिहार को पलायन का प्रतीक बना दिया था सिवान में बोले पीएम मोदी

- २१ दिन बाद बिहार दौरे पर आए पीएम मोदी
- २४ विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को किया संबोधित
- राम-जानकी पथ, वंदे भारत ट्रेन का लाभ मिलेगा

सिवान । चुनाव माहौल से बिहार का सियासी पारा गर्म है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सिवान पहुंचे। यहां १०,००० करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। साथ ही सभा को संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने नीतीश कुमार के विकास कार्य गिनाए और लालू यादव के दौर के जंगलराज की याद भी दिलाई। पीएम मोदी ने कहा कि पंजा और लालटेन वालों ने मिलकर बिहार की पलायन का प्रतीक बना दिया था।

अपने संबोधन की शुरूआत में पीएम मोदी ने कहा, आप सब जानते हैं कि मैं कल ही विदेश से लौटा हूं। इस दौरे में मेरी दुनिया के बड़े-बड़े समृद्ध देशों के नेताओं से बात हुई। सारे नेता, भारत की तेज प्रगति से बहुत प्रभावित हैं। वो भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनते देख रहे हैं। और इसमें बिहार की निश्चित तौर पर बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है। बिहार समृद्ध होगा और देश की समृद्धि में भी बड़ी भूमिका निभाएगा।

पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें

पीएम मोदी ने कहा, जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया। उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था।

सिवान में रैली का समीकरण

प्रधानमंत्री मोदी की रैली सिवान में रखे जाने के पीछे बड़ा कारण है। यहां से पीएम मोदी २४ विधानसभा क्षेत्रों को साधने की कोशिश करेंगे। मेरे बिहारी भाई-बहन कठिन से कठिन परिस्थिति में काम करके दिखा देते हैं।

वो कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं करते। लेकिन, पंजे और लालटेन वालों ने मिलकर बिहार के स्वाभिमान को बहुत ठेस पहुंचाई है।

इन लोगों ने ऐसी लूट-खसोट मचाई की गरीबी बिहार का दुर्भाग्य बन गई। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए नीतीश जी के नेतृत्व में हृष्ठ सरकार बिहार को विकास की पटरी पर वापस लाई है।

मैं बिहार वासियों को विश्वास दिलाने आया हूं कि हमने भले बहुत कुछ किया हो, करते रहे हैं, करते रहेंगे। लेकिन इतने से शांत होकर रहने वाला मोदी नहीं है। मुझे तो अभी बिहार के लिए और भी बहुत कुछ करना है।

खरी-खरी

ट्रंप ने फिर कहा-मैंने रुकवाया भारत पाकिस्तान युद्ध

जिले में अब तक 58.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। भू अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में २४ घण्टे के दौरान १४.५ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक ३३.३ मि.मी. वर्षा तहसील लुण्ड्रा में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में १ जून से अब तक ५८.१ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि ०१ जून २०२५ से २० जून २०२५ तक अम्बिकापुर में ३२.९, दरिमा में २९.५, लुण्ड्रा में ६९.२, सीतापुर में ११२.२, लखनपुर में ५१.६, उदयपुर में ३८.१, बतौली में ५१.१ एवं मैनपाट में ७९.९ मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

पहला कालम

खाद संकट,कलेक्टर ने किया डबल लॉक बिश्रामपुर का निरीक्षण

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा आज डबल लॉक समिति बिश्रामपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उर्वरकों की उपलब्धता, गुणवत्ता तथा वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को समय पर और निर्बाध रूप से उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि कृषि कार्यों में कोई बाधा न आए। उन्होंने उर्वरकों के गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नकली खाद की बिक्री पर सख्त निगरानी रखी जाए तथा ऐसे प्रकरणों पर तत्काल और निरंतर कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एस जयवर्धन ने समिति में भंडारित उर्वरकों तथा स्टॉक पंजीयन का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी एवं सम्बंधित उपस्थित रहे।

सीएमपीएफ क्लर्क की नियुक्ति को लेकर तीन खदानों में एटक का धरना

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के आरजीके सहक्षेत्र में सीएमपीएफ डीलिंग क्लर्क की पूर्णकालीन पदस्थापना को लेकर संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक के पदाधिकारियों द्वारा सहक्षेत्र की तीनों खदान के मुहाडे पर शुक्रवार को प्रदर्शन किया।आंदोलन के दौरान खान प्रबंधक के माध्यम से महाप्रबंधक बिश्रामपुर क्षेत्र को ज्ञापन प्रेषित करते हुए मांग किया कि आरजीके सहक्षेत्र में जल्द से जल्द पूर्णकालीन सीएमपीएफ क्लर्क की पदस्थापना किया जाए। आंदोलन के दौरान रेहर भूमिगत

खदान में एटक के केंद्रीय महासचिव अजय विश्वकर्मा,क्षेत्रीय अध्यक्ष हीरालाल, विनोद सिंह, राजेश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे जबकि गायत्री भूमिगत खदान में क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग, क्षेत्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष व्हीसी जैन, केके सिंह, मनोज एवं अन्य पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। केतकी भूमिका खदान में सजल मित्रा क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्य, आरके द्विवेदी, वीरेंद्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आन्दोलन के दौरान अजय विश्वकर्मा ने कहा कि बिश्रामपुर क्षेत्र के आधे से अधिक कर्मचारी आरजीके सहक्षेत्र में कार्यरत हैं, ऐसे में दो माह से सीएमपीएफ क्लर्क की सेवानिवृत्ति के पश्चात अभी तक पूर्णकालीन सीएमपीएफ क्लर्क की पदस्थापना नहीं होने की वजह से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी अपने सीएमपीएफ फंड, पेंशन एवं ग्रेच्यूटी हेतु दर-दर भटकने को मजबूर हैं। पूर्व में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी भी प्राप्त होने वाले फंड, पेंशन एवं ग्रेच्यूटी राशि के लिए दर-दर भटकते हुए आमरण अनशन करने तक को बाध्य हो रहे हैं। ऐसे में प्रबंधन का ढुलमुल रवैया कई संदेह को जन्म देता है। कई दलाल कर्मचारियों के पास उनको देख राशि दिलाने हेतु लाखों रुपए की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने प्रबंधन को चेताते हुए कहा कि जल्द ही पूर्णकालीन सीएमपीएफ क्लर्क की पदस्थापना की जाए अन्यथा संघ और भी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। इसी तरह गायत्री एवं केतकी भूमिगत खदान में भी संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने भी आरजीके प्रबंधन की आलोचना करते हुए तत्काल सीएमपीएफ क्लर्क की पूर्णकालिक पदस्थापना की मांग किया है।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स के मुकेश प्रदेश उपाध्यक्ष व मनोज जिलाध्यक्ष मनोनीत

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्रीस का कुछ माह पूर्व पुरे प्रदेश में चुनाव संपन्न हुआ था। जिसने सर्वसहमति से सतीश थोरानी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था तो वही प्रदेश उपाध्यक्ष व मंत्री के लिए सभी जिलों में चुनाव करवाये गए थे। सरगुजा जिले में चुनाव में सिर्फ गोपाल अग्रवाल ने मंत्री पद हेतु फॉर्म भरा था जिससे उन्हें मंत्री नियुक्त किया गया था। सरगुजा से प्रदेश उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष हेतु पद खाली था। प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी ने शहर के व्यवसायी व समाजसेवी मुकेश अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष व मनोज अग्रवाल को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है जिससे जिले में हर्ष व्याप्त है।उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष पद मनोनीत होने से सरगुजा में अब व्यापारियों की आवाज को बल मिलेगा।यही कारण है की व्यापारियों में मुकेश अग्रवाल व मनोज अग्रवाल को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से खुशी की लहर है।

रामसुंदर मरकाम को मिली अहम जिम्मेदारी बनाए गए प्रदेश सह संयोजक -सोशल मिडिया

प्रतापपुर।(अम्बिकावाणी समाचार)। दूरस्थ वनांचल क्षेत्र ग्राम गोविंदपुर के किसान परिवार से एक गरीब बेटा राम सुंदर मरकाम को प्रदेश सह संयोजक बनाए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा कांग्रेस पार्टी एवं सामाजिक संगठनों में अहम जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं वर्तमान में युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सोशल मीडिया माता राजमोहनी न्यू रामलीला कला मंडली के अध्यक्ष

भी हैं साथ ही गोंड समाज में समाज सेवा कार्यकर्ता के रुप में बखूबी कार्यों का निर्वहन कर रहे राम सुंदर मरकाम अपने कार्यों को लेकर हमेशा चचाओं में बने रहते हैं सोशल मीडिया में पोस्ट करके शासन सत्ता में बैठे लोगों को आईना दिखाने का काम करते हैं जो लोगों के बीच हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है।

संगठन में मिली अहम जिम्मेदारी को लेकर शीर्ष नेतृत्व का दिल से आभार और। कहा पार्टी ने मुझे जैसे किसान परिवार एक गरीब बेटा के ऊपर जो भरोसा जताया है उसकी मैं निष्ठा एवं ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए निस्वार्थ भाव से काम करते हुए पार्टी को मजबूत करुंगा ताकि आने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भरपूर लाभ मिल सके ताकि आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी की सरकार छत्तीसगढ़ में बन सके इस ओर मजबूती से काम करुंगा पार्टी में छोटा कार्यकर्ता के रूप में काफी मेहनत लग्न से कार्य किया जिसको देखते हुए पार्टी ने मुझे बड़ी जिम्मेदारी दिए जो मेरे लिए बहुत बड़ी खुशी का पल है ।

तेज डायग्नोस्टिक में 22 को मौजूद रहेंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। तेज डायग्नोस्टिक एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रत्येक माहके चौथे रविवार दिनांक २२ जून २०२५ को निम्न विशेषज्ञ डॉक्टर परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगें । हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक धाबलिया , छ.ग. के विख्यात किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ.आर.के.साहू एमडी डीएम, नेफ्रोलॉजी, रायपुर के सुप्रसिद्ध मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज प्रसाद एमएस एमसीएच न्यूरोसर्जरी,छ.ग. के विख्यात यूरोलॉजी रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश अग्रवाल एमबीबीएस एमएस एमसीएच यूरोलॉजी एंड रेंटल ट्रांसप्लांट, स्थान- डॉक्टर हॉऊस / सरगुजा ब्रेन एवं स्पाईन सर्जन एण्ड एण्डोस्कोपिक न्यूरो सर्जन डॉ. महावीर सिंह जौहरी एमबीबीएस एमएस डीएनबी हैदराबाद, जबलपुर, दिल्ली, संबंधित रोगों से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु एवं परामर्श के लिए तेज डायग्नोस्टिक सेंटर एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल, जोड़ा तालाब के सामने बाबूपारा अम्बिकापुर में उपलब्ध रहेंगें। .संपर्क नं. ८२२४००७७९९,८२२४००७७५५,०७७७४६६९९९, ०७७७४२२२९९९,९८२६१८३७८०...।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हाई स्कूल मैदान में जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में ११ वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २१ जून २०२५ को उत्साह के साथ मनाया जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए ज्योग एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्यज की थीम निर्धारित की गई है। राज्य शासन द्वारा जिला मुख्यालय में स्वामी आत्मानंद हाईस्कूल मैदान में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के मुख्य अतिथि नामांकित किया गया है।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निदेर्शानुसार जिला मुख्यालय के स्वामी आत्मानंद हाईस्कूल मैदान में प्रातः ०७.०० से ०८.०० बजे तक हाई आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है। आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नेताम सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सभी अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राओं, विभिन्न संस्थाओं सहित सभी वर्गों के लोगों के द्वारा एक साथ सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा।

ईपिक कार्ड वितरण को तेज करने के लिए ईसीआई की पहल

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (ईपिक) का तेज वितरण सुनिश्चित करने के लिए, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने एक नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) शुरू किया है, जिसके तहत मतदाता सूची में अद्यतन होने के १५ दिनों के भीतर ईपिक वितरित कर दिया जाएगा। इसमें नए मतदाता का पंजीकरण या पहले से पंजीकृत मतदाता की किसी जानकारी में परिवर्तन शामिल है।

यह पहल मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्तगण डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों के अनुरूप है। नई प्रणाली ईपिक जारी होने से लेकर डाक विभाग के माध्यम से मतदाता को इसकी डिलीवरी तक की हर प्रक्रिया को रीयल टाइम में ट्रैक करेगी। मतदाताओं को प्रत्येक चरण पर एसएमएस के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। इस उद्देश्य के लिए निर्वाचन आयोग ने हाल ही में लॉन्च किए गए ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म पर एक समर्पित आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह नया आईटी प्लेटफॉर्म मौजूदा प्रक्रिया को पुनः संरचित करके कार्यप्रणाली को सरल बनाएगा। डाक विभाग का एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस (एपीआई) ईसीआई नेट के साथ एकीकृत किया जाएगा ताकि निर्बाध वितरण सुनिश्चित हो सके। इस पहल का उद्देश्य ईपिक कार्ड वितरण को बेहतर बनाना और डेटा सुरक्षा को बनाए रखना है। निर्वाचन आयोग का प्रमुख लक्ष्य सभी मतदाताओं को त्वरित और कुशल निर्वाचकीय सेवाएं प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि पिछले चार महीनों में आयोग ने मतदाताओं और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें भी की हैं।

युक्ति युक्तकरण नीति से शिक्षण व्यवस्था हो रही सुदृढ़

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्कूलों में लौट रही रौनक, हर स्कूल में शिक्षक, हर बच्चे को शिक्षा

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू की गई युक्तिकरण नीति अब दूरस्थ अंचलों के स्कूलों में नवचेतना का संचार कर रही है। शिक्षक विहीन या एकल शिक्षक के भरोसे संचालित स्कूलों में अब पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित हो रही है, जिससे जिलेभर में शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों की उपस्थिति दोनों में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय की मंशा रही है कि राज्य के अंतिम गांव तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित की जाए, और कोई भी बच्चा गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई से वंचित न रहे। इसी सोच को अमल में लाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा युक्तिकरण की व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई, जिसके तहत शिक्षकों का संतुलित पुनर्विन्यास करते हुए संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया गया।

युक्तिकरण नीति का सकारात्मक प्रभाव जिले के उन विद्यालयों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जहां एकल शिक्षक और संलग्नीकरण के भरोसे शाला संचालित हो रही थी। लेकिन अब स्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। जिले के लगभग ३११ एकल शिक्षकीय एवं १४ शिक्षक विहीन प्राथमिक शालाओं में युक्तियुक्तकरण कर अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। युक्तिकरण नीति से जिले के शिक्षा व्यवस्था में सुधार देखा जा रहा है। विकासखण्ड बलरामपुर के प्राथमिक शाला महाराजगंज जो लम्बे समय से शिक्षक विहीन थी, वहां युक्तिकरण नीति के तहत पूर्णकालिक शिक्षक की पदस्थापना होने के बाद विद्यालय में नियमित अध्यापन कार्य पुनः प्रारंभ हो गया है। कक्षा में पढ़ाई का वातावरण लौट आया है, इसका सकारात्मक परिणाम बच्चों की उपस्थिति में संभावित वृद्धि के रूप में देखा जा सकेगा। इसी तरह एकल शिक्षक विद्यालय जैसे प्राथमिक शाला लुर्गी, भीतर सौनी और मक्याठी में भी अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना से अब विषयानुसार शिक्षण संभव हो सका है। शिक्षकों का कार्यभार संतुलित हुआ है और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिल रहा है, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं व जीवन कौशल में आगे बढ़ पाएंगे। इस व्यापक युक्तिकरण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक लागू करने में जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। सभी स्तरों पर प्रभावी समन्वय, जवाबदेही और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। किसी भी विद्यालय में शिक्षक का पद लंबे समय तक रिक्त न रहे और जहां आवश्यकता हो वहां त्वरित तैनाती की जाए, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए डेटा आधारित योजना तैयार की गई, जिससे संसाधनों का कुशल वितरण और वास्तविक जरूरत के अनुसार शिक्षकों की पदस्थापना संभव हो सकी। इससे शहरी और ग्रामीण स्कूलों के बीच संसाधनों की असमानता को भी काफी हद तक दूर किया जा सका। युक्तिकरण नीति का प्रभाव केवल शिक्षकों की पदस्थापना तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका व्यापक असर आने वाले समय में विद्यालयों के शैक्षणिक माहौल, विद्यार्थियों की सीखने की रुचि और अभिभावकों की संतुष्टि में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। इस पहल के माध्यम से विद्यालयों में औसत उपस्थिति दर में निरंतर वृद्धि, वार्षिक परीक्षाओं में बेहतर परिणाम, बालसभा, पठन-संवर्धन, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों तथा ग्रामीण समुदायों में विद्यालयों के प्रति बढ़ता विश्वास देखने को मिलेगा। यह नीति न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सशक्त बनाएगी, बल्कि विद्यालय और समाज के बीच सहभागिता को भी नई दिशा देगी।

जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का होगा भव्य आयोजन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बालक-बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने २१ जून को जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव २०२५ कार्यक्रम का आयोजन सेजेस हिन्दी माध्यम विद्यालय के मैदान में दोपहर २ बजे से किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदिम जाति कल्याण एवं कृषि विभाग के मंत्री श्री रामविचार नेताम, अध्यक्षता सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विशिष्ट अतिथि सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुन्तला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री धीरज सिंहदेव, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, नगरपालिका अध्यक्ष बलरामपुर श्री लोधीराम एक्का एवं जनप्रतिनिधिगण की गरिमामयी आतिथ्य में सम्पन्न होगा।

नवीन शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ की शुरूआत एक उत्सव के रूप में हो साथ नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को स्वस्थ वातावरण प्रदान करने और उन्हें विद्यालय की ओर आकर्षित करने के लिए शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में दो दिवसीय निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में २१ एवं २२ जून को जिला प्रशासन एवं दीन-हीन सेवा समिति के द्वारा वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में किया जा रहा है। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क उपचार किया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम नोडल अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण में सुविधा के लिए पंजीयन काउंटर, पूछताछ केन्द्र, सहायता केन्द्र बनाया गया है। शिविर स्थल पर ही आमजनों की सुविधा के लिए पैथोलॉजी, एक्स-रे, सोनोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही दवाइयों के वितरण के लिए दवा वितरण केन्द्र तथा आयुष्मान कार्ड काउंटर भी बनाया गया है।

शिविर में सुविधा के लिए बीमारी अनुरूप विशेषज्ञों से मिलने के लिए कक्ष भी निर्धारित किया गया है, जिसमें कक्ष क्रमांक-१ में बाल एवं हृदय रोग, कक्ष क्रमांक-२ में बाल हड्डी रोग, कक्ष क्रमांक-३ बाल चिकित्सा सर्जरी, कक्ष क्रमांक-४ बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी, कक्ष क्रमांक-५ किडनी रोग, कक्ष क्रमांक-६ गुर्दे तथा पथरी रोग, कक्ष क्रमांक-७ मनोरोग, कक्ष क्रमांक-८ न्यूरो सर्जन, कक्ष क्रमांक-९ जनरल सर्जन, कक्ष क्रमांक-१० गैस्ट्रो सर्जन, कक्ष क्रमांक-११ चर्म रोग, कक्ष क्रमांक-१२ हृदय रोग, कक्ष क्रमांक-१३ कैंसर रोग, कक्ष क्रमांक-१४ स्त्री रोग, कक्ष क्रमांक-१५ नाक, कान, गला रोग, कक्ष क्रमांक-१६ मेडिसिन, कक्ष क्रमांक-१७ पैथोलॉजिस्ट, कक्ष क्रमांक-१८ ब्लड डोनेशन,

योग दिवस का मुख्य आयोजन अब ऑडिटोरियम में

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। आज शनिवार २१ जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोयलांचल बिश्रामपुर में होने वाले मुख्य आयोजन का बारिश के कारण स्थान परिवर्तन कर अब डीएवी विद्यालय की जगह गौरीशंकर मंदिर दशहरा प्रांगण स्थित ऑडिटोरियम में कर दिया गया है।बताया गया की इस वर्ष ग्यारहवां अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाने एसईसीएल प्रबंधन प्रातः साढ़े छह बजे का समय निर्धारित कर सभी कर्मियो/अधिकारियों/कॉलोनी वासियों/ठेका कर्मी को आयोजन में भाग लेने आमंत्रित किया है।क्षेत्र के स्टॉफ ऑफिसर एचआर की ओर से जारी पत्र में इसका उल्लेख है।कार्यक्रम में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक द्वारा योग की विभिन्न क्रियाएं कराई जाएंगी जो शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मददगार होगा।

एसईसीएल कर्मी ने की खुदकुशी

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। एसईसीएल बिश्रामपुर के गायत्री खदान में कार्यरत ५१ वर्षीय कॉलरी कर्मी ने शुक्रवार को रामनगर स्थित घर में खुदकुशी कर ली।परिजनों की सूचना पर बिश्रामपुर पुलिस ने मामले में शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम किया है।

पुलिस ने बताया कि थानाक्षेत्र के ग्राम रामनगर सड़क पारा निवासी मूलधर पिता श्रवण सिंह गोंड जो एसईसीएल बिश्रामपुर के गायत्री परियोजना में जनरल मजदूर के पद पर कार्यरत था वह शराब पीने का आदि था। अभी पिछले एक माह से वह ड्यूटी भी नही जा रहा था और गांव में ही शराब पीकर घूमता रहता था, परिजनो के मुताबिक उसने कई बैंको से ऋण लिया हुआ था जिसे लेकर वह मानसिक तनाव में रहता था गत वर्ष भी उसने खुदकुशी का प्रयास किया था लेकिन इलाज से उसकी जान बच गई।गुरुवार को वह खेत से नागर जोत कर घर पहुंचा और फिर घर से निकल गया आज उसका शव घर के पिछले हिस्से में बने गोदाम में पाइप में रस्सी के फंदे में लटका मिला।सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने शव पंचनामा पीएम बाद बॉडी परिजनो को सौप दिया है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः सोनी सब के कलाकारों ने बताया कि कैसे योग उन्हें फिट रखता है और दिन की सकारात्मक शुरूआत करता है

मुंबई। योग केवल एक अभ्यास नहीं है—यह एक ठहराव है, एक रीसेट है और स्वयं से जुड़ने का एक जेंटल रिमाइंडर भी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोनी सब के लोकप्रिय चेहरे—प्रियम्वदा कांत, आशी सिंह और सायली सालुंखे—बता रही हैं कि कैसे छोटे-छोटे योग अभ्यासों ने उनकी दिनचर्या में बड़े बदलाव लाए हैं। शांत श्वास से लेकर माइंडफुल मूवमेंट तक, ये कलाकार बता रही हैं कि योग उन्हें न केवल फिट रखता है, बल्कि शूटिंग से पहले उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा भी करता है।

च्तेनाली रामाज में शारदा की भूमिका निभा रहीं प्रियमवदा कांत कहती हैं कि मैं अपने दिन की शुरूआत सूर्य नमस्कार से करती हूं। यह हैरानी की बात है कि कोई इतनी सरल चीज आपको कितनी गहराई से जमीन से जोड़ सकती है। शारदा एक ऐसा किरदार है जो साधारण में भी उम्मीद खोजती है, और मुझे लगता है योग भी कुछ ऐसा ही करता है। यह सिर्फ शरीर को नहीं बल्कि सोच को भी फैलाता है। अपने आप के साथ बिताया गया यह शांत समय—भले ही कुछ ही मिनटों का हो—पूरा दिन कैसे जिएंगे, इसका तरीका ही बदल देता है। एक ऐसी दुनिया में जहां सब तेजी से भाग रहे हैं, यह कुछ माइंडफुल ब्रीदिंग मुझे ठहरने, अपने शरीर, अपने विचारों और कभी-

कभी उस मौन को सुनने की याद दिलाती हैं।

च्उफ्फज ये लव है मुश्किलज में कैरी शर्मा का किरदार निभा रहीं आशी सिंह कहती हैं कि योग मेरी एक शांत नींव बन गया है। भले ही मैं केवल दस मिनट का प्राणायाम करूं या सेट पर जाने से पहले कुछ स्ट्रेचिंग, इसका असर मुझे तुरंत महसूस होता है। एक शांति महसूस होती है, जैसे दिन शुरू होने से पहले ही मैं खुद से जुड़ चुकी हूं। यह परफेक्ट करने की बात नहीं है—यह खुद के लिए, रोज थोड़ा-थोड़ा करने की बात है। समय के साथ ये छोटे-छोटे पल बहुत मायने रखने लगते हैं। और व्यस्त या तनावभरे दिनों में, यह थोड़ी सी शांति मुझे ठहरने और गहरी सांस लेने की याद दिलाती है। यह सरल है—लेकिन वाकई में बहुत मददगार भी है।

वीर हनुमान में माता अंजनी की भूमिका निभा रहीं सायली सालुंखे कहती हैं कि मेरे लिए योग केवल आसनों का अभ्यास नहीं है—यह खुद से एक आत्मीय संवाद है। यह वह समय है जब मैं धीमे-धीमे चलना सीखती हूं, गहरी सांसें लेती हूं और अपने भीतर की शांत शक्ति को सुनती हूं। मुझे विश्वास है कि कुछ मिनटों की माइंडफुल ब्रीदिंग या हल्की स्ट्रेचिंग भी आपके पूरे दिन की दिशा बदल सकती है। योग ने मुझे संतुलन सिखाया है—सिर्फ चटाई पर ही नहीं, बल्कि हर भावना और हर चुनौती में भी। इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मैं सभी से, खासकर युवा पीढ़ी से आग्रह करती हूं कि वे योग को सिर्फ एक ट्रेंड के रूप में नहीं, बल्कि जीवन भर के साथी के रूप में अपनाएं। आपको परिपूर्ण नहीं बनना है—आपको बस शुरूआत करनी है। वहीं से शुरू करें जहाँ आप हैं, जो है उसी से, और योग आपको खुद से जुड़ने का मार्ग दिखाएगा।

कोरबा निगम-जल संसाधन विभाग की मिलीभगत से निर्माण कार्य में संसाधनों का दुरुपयोग, विपक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

कोरबा अम्बिकावाणी – नगर पालिक निगम कोरबा एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है। वार्ड क्रमांक ३७ रामपुर स्थित सिंचाई कॉलोनी में जल संसाधन विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य में नगर निगम के संसाधनों के अवैध उपयोग को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने मामले की शिकायत करते हुए निगम अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के अनुसार, हसदेव बराज जल संसाधन संभाग कोरबा द्वारा वार्ड-३७ में करीब १७०.५९ लाख रुपये की लागत से सेप्टिक टैंक, नाली और पुलिया के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में बीते ८ से १० दिनों से नगर निगम कोरबा की पोकलेन मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जबकि यह कार्य पूरी तरह

से जल संसाधन विभाग की सीमा में आता है। स्थानीय नागरिकों और पार्षदों ने आरोप लगाया है कि यह काम न तो किसी सार्वजनिक निविदा प्रक्रिया के तहत हो रहा है और न ही नगर निगम ने इस कार्य के लिए विधिवत अनुमति दी है। निगम की मशीनों का उपयोग निजी ठेकेदार की सुविधा के लिए किया जा रहा है, जिससे स्पष्ट रूप से लोक संपत्ति का दुरुपयोग और सरकारी तंत्र की मिलीभगत उजागर हो रही है। विपक्ष का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में नगर निगम अधिकारियों और ठेकेदार के बीच अंतरिक साठगांठ है, जिसके चलते बिना अनुमति और पारदर्शिता के कार्य कराए जा रहे हैं। इससे ना केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि भ्रष्टाचार को भी खुला संरक्षण मिल रहा है। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने विभागीय मंत्री व कलेक्टर से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं होती, तो विरोध प्रदर्शन और आंदोलन की राह अपनाई जाएगी।

छोटी खबरें

सोनालिया पुल से नया बस स्टैंड चौक तक बस, ट्रैक्टर जैसे भारी वाहनों के आवागमन को किया गया प्रतिबंधित

बस, ट्रैक्टर के संचालन में शाम 05 बजे से पूरे दिवस के लिए आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से लगाया गया है प्रतिबंध

कोरबा अम्बिकावाणी – कलेक्टर अजीत वसंत ने नगर के व्यस्तम मार्ग सोनालिया पुल रोड में आमजनों की यातायात को सुगम बनाने एवं शाम के

समय लगने वाली ट्रैफिक को नियंत्रित करने हेतु सोनालिया पुल से नया बस स्टैंड चौक तक बस, ट्रैक्टर जैसे भारी वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित किया है। कलेक्टर के निर्देश पर शहर में ट्रैफिक जाम की रोकथाम हेतु नगर पुलिस अधीक्षक एवं एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुए बैठक में बस संघ के पदाधिकारियों व अन्य पक्षों द्वारा इस सम्बंध में सहमति दी गई है। इस हेतु कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ मोटरयान अधिनियम १९९४ के नियम २१४ के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए लोक सुरक्षा की दृष्टि से सोनालिया पुल से नया बस स्टैड चौक/टी.पी.नगर चौक तक बस /टैक्ट्ररों के संचालन को समयावधि शाम ०५ बजे से पूरे दिवस के लिए आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से प्रतिबंधित किया है। साथ ही उक्त मार्ग में बस, टैक्ट्रर के आवागमन हेतु आगामी आदेश तक वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की गई है। जिसके अंतर्गत चांपा की ओर से आने वाले बस ट्रेक्टर भारी वाहनों हेतु वैकल्पिक मार्ग ओव्हर ब्रिज से अग्रसेन चौक से राताखार, स्टेडियम रोड होते हुए बस स्टैंड की ओर आगमन रहेगा। इसी प्रकार बिलासपुर-हरदीबाजार से आने वाले बसें सर्वमंगला पुल से राताखार बाईपास होते हुए स्टेडियम रोड़ से बस स्टैंड की ओर आवगमन होगा। ईट, गिट्टी, रेत, सीमेंट और अन्य प्रकार के निर्माण सामाग्री लेकर शहर अंदर प्रवेश करने वाले ट्रेक्टर सीतामणी से ओव्हर ब्रिज होकर राताखार तुलसी नगर स्टेडियम होते हुए सी.एस.ई.बी. चौक से मुडापार निहारिका तरफ परिवहन करेंगे। उक्त वाहनों का वापसी भी निर्धारित मार्ग के द्वारा किया जाएगा।

खाद और बीज की किल्लत से जूझ रहे किसान, आप पार्टी ने सौंपा ज्ञापन - जिला प्रशासन से की तत्काल कार्रवाई की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून की दस्तक के साथ ही किसान खरीफ फसल की तैयारी में जुट गए हैं, लेकिन इस सीजन में खाद और बीज की कमी ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले के विभिन्न अंचलों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि सहकारी समितियों में खाद और बीज की भारी कमी है, जिससे किसान दर-दर भटकने को मजबूर हैं। किसानों की इस समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। पार्टी पदाधिकारियों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराते हुए मांग की कि किसानों को खाद एवं बीज की पर्याप्त और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि कोरबा जिले में डीएपी खाद की भारी कमी बनी हुई है। सहकारी समितियों में या तो स्टॉक खत्म हो चुका है या फिर वितरण में अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। कई स्थानों पर समिति प्रबंधक किसानों की मांग को नजरअंदाज कर रहे हैं, वहीं कुछ जगह अमानक और नकली खाद के वितरण की भी शिकायतें सामने आई हैं। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि इस गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए और कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कर किसानों की परेशानी दूर करनी चाहिए। राज्य सरकार से मांग की गई कि जिले के किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज और खाद की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि फसलों की बुवाई समय पर हो सके और उत्पादन प्रभावित न हो। इस अवसर पर संगठन मंत्री आनंद सिंह, कोरबा लोकसभा अध्यक्ष प्रतिमा सिन्हा, सचिव शत्रुघन साहू, कोषाध्यक्ष लहना सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष सपन बहादुर, प्यारेलाल राठिया, हरिकृष्ण श्रीवास, बरोश राठिया, गुरुवार सिंह बघेल, मनीष चौहान, सुरेश राठिया एवं वामन वादटकर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टेंडम रोलर से पुलिस ने 10 हजार लीटर अवैध शराब का नष्टीकरण, ड्रोन कैमरे से हुई निगरानी

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले में अवैध शराब कारोबार पर सख्ती बरतते हुए कोरबा पुलिस ने गुरुवार, १९ जून को बड़ी कार्रवाई की। विभिन्न थानों और चौकियों में आबकारी अधिनियम के तहत जब्त करीब १०,००० लीटर अवैध मदिरा का टेंडम रोलर से विधिवत नष्टीकरण किया गया। यह प्रक्रिया पुलिस लाइन कोरबा परिसर में संपन्न हुई, जिसमें पारदर्शिता के लिए ड्रोन कैमरा और वीडियोग्राफी का सहारा लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नष्टीकरण १,८६६ मामलों से संबंधित था। जब्त शराब में ७,५६५ लीटर महुआ शराब, १,३५६ लीटर देशी शराब, और ९९० लीटर अंग्रेजी शराब शामिल रही। सबसे ज्यादा प्रकरण कटघोरा (३४६), बांकीमोंगरा (२०९) और बांगो (२००) थानों से दर्ज किए गए थे। यह संपूर्ण कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कोरबा द्वारा गठित समिति की उपस्थिति में, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से प्राप्त अनुमति और प्रमाण-पत्र के आधार पर की गई। पूरी प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी से किया गया। पुलिस ने बताया कि इससे पहले ८५२ लावारिस वाहनों की नीलामी और ६५२ विसरा प्रकरणों का निपटान भी किया जा चुका है। इस पहल से थानों में वर्षो से संचित अनुपयोगी मदिरा से न केवल मुक्ति मिली, बल्कि स्वच्छता, स्थान की उपलब्धता और कार्यस्थल की व्यवस्था भी बेहतर हुई है।

जिला पुलिस ने कहा कि थानों को स्वच्छ, सुरक्षित और उत्तरदायी बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी।

कोरबा शहर की खुबसूरती में चार चॉंद लगा रही निगम की स्ट्रीट गार्डनिंग व वाल भित्तिचित्र

कोरबा अम्बिकावाणी – नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा की गई स्ट्रीट गार्डनिंग व वाल भित्तिचित्र ऊजार्धानी कोरबा शहर की खुबसूरती में चार चॉंद लगा रही हैं, चौक-चौराहों, डिवाईडरों पर निगम द्वारा की गई रंगबिरंगे फूलों व हरीतिमायुक्त पौधों की गार्डनिंग जहॉं एक ओर शहर की सुंदरता में खुबसूरत रंग भर रही हैं, हरीतिमा बिखेर रही हैं, वहीं दूसरी ओर सड़कों से गुजरने वाले आमनागरिकों का बरबस ही ध्यान आकृष्ट कर उन्हें सुखद एहसास का अनुभव करा रही है। सी.एस.ई.बी. चौक से टी.पी. नगर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क की साईड वाल व अन्य स्ट्रीट साईटों पर महापुरूषों एवं छत्तीसगढ़ी व भारतीय संस्कृति पर आधारित मनमोहक भित्तिचित्र कोरबा शहर के सौंदर्य को द्विगुणित कर रहे हैं तथा महापुरूषों व छत्तीसगढ़ी एवं भारतीय संस्कृति से हमारा परिचय करा रही हैं। निगम के उद्यान अधीक्षक आनंद राठौर ने बताया कि महापौर संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के कुशल मार्गदर्शन में सुभाष चौक, घंटाघर, सी.एस.ई.बी. चौक, स्मृति उद्यान, विवेकानंद उद्यान (अप्पू गार्डन) तथा अन्य स्थानों व स्ट्रीट साईटों में बिन्का, कोचिया, ग्लाईडिया, पचुर्लाका प्रजातियों के मनमोहक पौधे रोपित किए गए हैं, वहीं घंटाघर चौक से महाराणा प्रताप चौक तक फॉक्सटेल के पौधे लगाकर स्ट्रीट को संवारा सजाया गया है तथा साथ ही आगे भी इस दिशा में कार्य किए जा रहे हैं।

मैनी नदी पार करते समय अचानक आई बाढ़ में चार लोग बहे, जिसमें दो महिला सहित दो मासूम बच्चे सामिल है

सीतापुर – कल शाम करीब छः बजे पुटू खुखड़ी बीन कर अपने घर लौट रहे ढोंढागांव निवासी चार लोग मैनी नदी पार करते समय बाढ़ के चपेट मे आ कर पानी के तेज बहाव में बह गए।

यह दुःखद हादसा तब हुआ जब वे जंगल से पुटू खुखड़ी बिन कर शाम अपने घर लौट रहे थे । तभी मैनी नदी पार करते समय अचानक नदी में बाढ़ गया किसके तेज बहाव में बिनावती पति सुरेश अपनी ३ वार्षिय मासूम बेटे एरियस तथा सोमारी पति कष्टू अपने ६ वर्षीय पोती बह गये, जो कबतक लापता हैं।

हादसे के बाद आज मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन व आला अधिकारीयो ने गोताखोरो तथा एन डी आर एफ की मदद से उन्हें ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है, किन्तु वे चारो का अबतक लापता हैं।

इस घटना से गांव में मातम पसर गया है। तथा उन्हें ढूंढ़ने का प्रयास अपने स्तर पर पूरा गांव लगा हुआ है।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत, दूसरा झुलसा- एसईसीएल की लापरवाही पर भड़के परिजन

कोरबा अम्बिकावाणी – रेलवे स्टेशन के पास एसईसीएल की लावारिस पड़ी जमीन पर हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। आरोप है कि कई दिनों से जमीन पर गिरे ११ केवी हाई वोल्टेज तार की जानकारी के बावजूद जिम्मेदारों ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र यादव बिजली तार की चपेट में आ गया।

उसे बचाने के लिए रितेश मनहर ने डंडे का सहारा लिया, लेकिन डंडा गीला होने के कारण रितेश भी करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं वीरेंद्र लगभग ९०त्न तक झुलस गया है, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजन और स्थानीय नागरिकों ने मौके पर हंगामा किया और एसईसीएल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया। जब पुलिस शव को उठाने पहुंची तो गुस्साए लोगों ने रोक दिया और उचित मुआवजे की मांग पर अड़ गए।

न्यायालय तहसीलदार, तहसीलदार :- बतौली मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भः- जिला- सरगुजा तहसील-बतौली प.ह.नं.- 00011 बिलासपुर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-CG-2025-26-183-1-94

ईश्तहार

तहसील बतौली के प.ह.नं. 00011 के अंतर्गत ग्राम बिलासपुर के वर्तमान भूमिस्वामी चन्द्रिका प्रसाद पिता/पति-नान राम पता-उचडीह, ठकुरी बाई पिता/पति-नान राम पता-गंगापुर लुण्ड्रा, तारा चन्द्र पिता/पति-नान राम पता-गंगापुर, दलमनिया पिता/पति-नान राम पता-तेलाईकछार, धनेश्वरी पिता/पति-नान राम पता-महेशपुर, प्रेमचन्द पिता/पति-नान राम पता-गंगापुर, प्रमिला पिता/पति-नान राम पता-हनुमानगढ़ उदयपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 488/1 (0.6200), 489/1(0.1850) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता नितेश कुमार गर्ग पिता/पति-मोहन लाल अग्रवाल पता-कुनकुरीकला बगीचा चौक, प्रवीन कुमार गर्ग पिता/पति-मोहन लाल अग्रवाल पता-बगीचा चौक, कुनकुरीकला के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 30/06/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार, तहसील बतौली पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा/आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/06/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
TARA SIDAR
तहसील- बतौली

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक महेन्द्रलाल आ० रामधनी जाति कोईर निवासी ग्राम कोटराही तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख०नं० 656/1 रकबा 0.03 हे० भूमि को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 23/06/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
वाड्रफनगर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./ ब-121/2024-25
दिनांक- 12/06/2025

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका नाम कुसुम सिंह पिता गोरलाल जाति गोड़ निवासी पर्री (सरनापारा) ग्राम-पर्री (सरनापारा) प.ह.न.......थाना-सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने माता- सोनकलिया बाई पति गोरेलाल मृत्यु दिनांक 05/12/2011 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24/06/2025 दिन-मंगलवार को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/06/2025 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील-मानी
जिला सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./1201/ब-121/2024-25
दिनांक-12/06/2025

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका नाम तेलमनी पति स्व० बहादुर जाति गोड़ निवासी मानपुर ग्राम-मानपुर प.ह.नं.12 थाना-सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने चाचा ससूरः- साधु पिता अमीर साय मृत्यु दिनांक 20/04/2000 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24/06/2025 दिन-मंगलवार को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/06/2025 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील-मानी
जिला सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 16/06/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम पीपरखार तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बिगु राम आ.स्व० शिवा निवासी ग्राम-पीपरखार, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (माता) स्व. दिलबसिया की मृत्यु दिनांक 11/05/2020 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रिज० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 04/07/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 04/07/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 02/05/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम जुनालखनपुर तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र आ. चुन्नी लाल निवासी ग्राम-जुनालखनपुर, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (परदादा) स्व. टेंगना की मृत्यु दिनांक 29/06/1980 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रिज० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 23/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 23/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-......../ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक महेन्द्र सिंह टुटेजा आ० स्व० सरदार रंजीत सिंह टुटेजा निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट क्रमांक-02 मोहल्ला देवीगंज रोड, नगर अम्बिकापुर, स्थित नजूल प्लाट नम्बर 559/2 रकबा 840 वर्गफीट भूमि के भू-तल पर रकबा 54.65 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 54.65 वर्गमीटर, पर प्रस्तावित नक्शानुसार व्यवसायिक भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाखा में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-09/07/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

आम सूचना

मैं जय भगवान अग्रवाल आ. स्व. श्री सेवाराम अग्रवाल आयु- 56 वर्ष निवासी, म. नं.- 19, जवाहर नगर, बनारस चौक, अम्बिकापुर, तह.- अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ.ग. निवासी हूँ।

मेरे पुत्र प्रणय गर्ग ने पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन किया। पूर्व में जारी पासपोर्ट में मेरा नाम JAY BHAGWAN AGRAWAL उल्लेखित हैं, जबकि आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में मेरा नाम JAY BHAGAWAN AGRAWAL है, जो सही है, जिसे ही पढ़ा लिखा व समझा जावे, जिस हेतु आम सूचना का निष्पादन किया जा रहा हैं।

स्थान अम्बिकापुर
दिनॉक 20.06.2025

हस्ताक्षर
जय भगवान अग्रवाल

अम्बिकावाणी

रायपुर, शनिवार 21 जून, 2025

सम्पादकीय

यदि आप अपना अवगुणों रूपी कचरा भगवान को दे दें तो कोई भी व्यक्ति आप पर कीचड़ नहीं उछालेगा।

0 ब्रह्मकुमारी

संपादकीय

गरीबी से पार पाने में खासी सफलता मिली

खासकर मौजूदा वैश्विक के मद्देनजर किसी भी देश के लिए इस प्रकार का आकलन खासा उत्साहवर्धक होता है। भारत विकासशील देश है, और अपनी आयोजना में शुरू से से ही गरीबी उन्मूलन का प्राथमिकता देता रहा है। गरीबी से अपने लोगों को उबारने के लिए पंचवर्षीय योजनाएं शुरू की गई ताकि आम जन के आर्थिक हालात बेहतर से बेहतर हो सकें। सत्तर के दशक में 'गरीबी हटाओइ का नारा देकर चुनाव तक लड़ा गया। जीता भी गया। बेशक, सरकार की तमाम प्राथमिकताओं और चिंताओं के केंद्र में गरीबी उन्मूलन रहा है।

इसके नतीजे भी अच्छे मिले, लेकिन कुछ समस्याएं बराबर बनी रहीं जिनके चलते गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका। एक तो यह हुआ की आर्थिक विकास के लाभ कुछ वर्गो तक ही सीमित रह गए। इसके चलते आर्थिक असमानता की समस्या उभरी जिससे पार पाने के लिए आज जूझना पड़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गरीबी से पार पाने में खासी सफलता मिली है। इस बात की ताकीद शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल जैसे मानकों में देश के बेहतर प्रदर्शन से होती है।

गरीबी कम करने में हम कमजोर नहीं पड़े हैं। और अब तो विश्व बैंक भी इसकी तस्दीक कर रहा है। विश्व बैंक ने अप्रैल में भारत पर अपने 'गरीबी और समानता संक्षिप्तइ में कहा था कि अत्यधिक गरीबी (प्रति दिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन) 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घट क 2022-23 में 2.3 प्रतिशत हो गई जिससे 17.1 करोड़ लोग इस रेखा से ऊपर आ गए। बेशक, गरीबी उन्मूलन के प्रयास आजाद भारत के किसी भी कालखंड में शिथिल नहीं पड़ने पाए हैं, लेकिन बहुत कुछ वैश्विक हालात पर निर्भर करता है। वैश्विक जोखिम आज कहीं ज्यादा नकारात्मक हैं। अमेरिका जैसे देशों में नीतिगत बदलाव, कई देशों में युद्ध के हालात ने वैश्विक परिदृश्य को तनावपूर्ण बना दिया है। लेकिन अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक इतने मजबूत हैं कि भारत अपने लोगों के हालात बेहतर करने में जरूर सफल होगा।

भारत में अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से एक दशक में तेजी से घट कर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत रह गई। यह जानकारी विश्व बैंक की एक रिपोर्ट से मिली है। हालांकि विश्व बैंक ने अपनी गरीबी रेखा की सीमा को संशोधित करके तीन डॉलर प्रति दिन कर दिया है। बेशक, यह रिपोर्ट हौसला देती है।

योगासन अभ्यास के करिश्माई से मुस्लिम बेटी अलिशा ने स्पाईनल-डिस्क से चोटिल माँ सँजीदा खातून की सेहत को ना केवल नई तँदुरूस्ती दिलाई बल्कि इंटरनेशनल पॉवर लिफ्टर का खिताब हासिल करने के मुकाम तक भी पहुँचाया

(सुरेंद्र वर्मा-डॉ. शगुफ़्ता परवीन)

विश्व योग दिवस मनाए जाने के लब्बोलुआबों का बखान करने से इतर योगासनों के अभ्यास से फिजीकली डिसएबल होने के मुहाने से लौटीं संजीदा खातून (55) की तिलस्म भरी दास्ताँन ही आज का मकसद है। मानपुर गाँव जिला सूरजपुर के एक मुस्लिम शख्सियत, जो कि 90 दशक के पहले के दौर मे तेज तर्रार हॉकी खिलाड़ी रहे हैं, उनकी छोटी शहजादी हैं संजीदा। बेटियों की तालीम के लिए छोटी सोच रखने वाले इस कस्बे में संजीदा खिलाफत कर प्रायमरी की पढ़ाई तो कर लीं लेकिन आगे की पढ़ाई के लिए बेहद जद्दोजेहद के साथ दो कि.मी. दूर सूरजपुर पैदल जाना आना करते हुए 12वीं की पढ़ाई पूरी करने मे भी संजीदा कामयाब रहीं। मजे के साथ संजीदा बतातीं हैं कि घर से स्कूल तक चादर ओढ़ना होता था क्लास में चादर हटा देते रहे। अब तक की पढ़ाई में अव्व्ल आने से फायदा ये हुआ कि ग्रेजुएशन के लिए अंबिकापुर से कॉलेज करने की परमिशन मिल गई। इसी बीच अब्बा जी की दोनों की किडनी में खराबी आ गई तो 1995 में बाईस तेईस साल की उमर में चिरमिरी के अब्दुल लतीफ शेख साहब से मेरा निकाह करा दिया गया।

हाये कोल फील्ड से अभी रिटायर्ड हुए हैं, फुटबॉल के माहिर खिलाड़ियों में इनकी गिनती होती रही है। बहरहाल ससुराल में आकर मैने एम.ए. (सोशियोलॉजी) की डिग्री भी ली इसी बीच अलिशा और जाबिर की पैदाईश हुई, अल्लाह के करम से परिवार में सब तरफ खुशहाली और बेहतरी माहौल में वक्त गुजरता रहा। साल 2014-2015 से रफ्ता रफ्ता थॉयराईड, ब्रेस्ट मिस्ट, माईग्रेन, ब्लॅड प्रैशर, यूटेरस प्रॉब्लम के इलाज सहित स्पॉईनल डिस्क खिसकने से आठ-आठ छोटे बड़े सर्जरी ऑपरेशन के खौफनाक मंजरों व तकलीफों से संजीदा का गुजरना हुआ। शुरूवाती में कोल इँडिया के रिजनल हॉस्पिटल, फिर अपोलो, रामकेयर में एडमिट और डिस्चार्ज होने का अनवरत सिलसिला चलता रहा, 20-25 मर्तबा बॉयप्सी और ना जाने क्या क्या टेस्ट कराये गए। डॉ. संदीप दवे, डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. वेल्लु जैसे कई अन्य डॉक्टरों ने वजन उठाने और ज्यादा चलने फिरने के लिए सख्ती से मना कर दिये रहे। बेजान जैसी हो गई रहीं मैं संजीदा। शुकर है अल्लाह का जिन्होनें अम्माँ जान की माफिक बेटी अलिशा की हौसला आफजाई और खिदमतगारी से मुझे अता फरमाए। 2017 में बेटी अलिशा ने यू-ट्यूब के जरिए बाबा रामदेव के योगासन अभ्यास के तरीके. फायदे से पहले खुद पर आजमाईश की और तसल्ली पाकर मेरी घरेलु योग-गुरू बनी। मुझे इसने सूर्यनमस्कार, कटिचक्रासन, सुप्त मत्स्येन्द्रासन, पश्चिममोतानासन, जानु शीर्षासन, भुजगासन, बद्धकोणासन, नौकासन, चक्कीचालन, नौका संचालन, मेरूवक्र आसन, नटराज आसन, त्रिकोणासन, उष्ट्रासन, हलासन, शीर्षासन, लोम-विलोम आदि से मुझे लगातार अभ्यास कराती रहीं।अलबत्ता योग के ही बदौलत खुद को साबित कर योगा चैपियनशीप में गोल्ड मैडल लेकर छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करने में अव्वल रहीं है। बढ़े हुए वजन से शरीर को तोड़ कर रख दिया था तो वजन कम करने के लिए योगासनों का अभ्यास करने के साथ ही नगर पालिक व्यायाम शाला भी अलिशा मुझे लाने ले जाने लगी। शुरू-शुरू में मुझे यहाँ पर बहुत ही अटपटा लगा, संकुचाती रही मैं। लेकिन बेटी अलिशा की शार्गिदी में और ट्रेनर रामनारायण सिंह और धर्मेन्द्र दास जो खुद एक पैर से दिव्यांग हैं, के हिदायतों की तामीली करते हुए हौले-हौले वजन उठाते हुए अब 215 किलोग्रामह्लह्ल वजन उठाने का ना केवल मैने महारत हासिल कर चुकी हूँ, बल्कि अब तक पॉवर लिफ्टिंग में 50 से अधिक ह्यह्यगोल्ड मेडल लेने सहित चार मर्तबा स्ट्रॉग वूमेन ऑफ छत्तीसगढ़ और 03 मर्तबा ह्यह्यस्ट्रॉग मास्टर वूमेन ऑफ इंडिया का खिताब भी खुद के नाम करने का रिकॉर्ड कायम कर चुकीं हैं। जाहिर है कि जहाँ डॉक्टरों ने संजीदा खातून को दो किलो वजन उठाने से सख्त मना किया हुआ था वहीं संजीदा ने योग साधना और व्यायाम से 215 किलो वजन उठा कर डॉक्टरों को भी अचंभित तो किया हुआ ही है साथ ही योग साईन्स बनाम मेडिकल साईन्स का नया फलसफा का भी इजाद किया हुआ है। पहले पहल स्टेट लेवल, फिर नेशनल लेवल और अब इंटरनेशनल लेवल में पॉवर लिफ्टिंग, स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग में परचम लहरा कर निच्चट घरेलू जिंदगी जीने वाली संजीदा, बीमारियों से बेजान होने वाली संजीदा योग के करिश्माई आसनों के अभ्यास से खुद को जिंदा कर ताकतवार संजीदा कहलाना साबित किया है। फिलहाल संजीदा खुद को अलग अलग मंचों से सम्मानित करते हुए जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर इलाके के साथ-साथ जिला कोरिया की महिलाओं और बेटियों को योग और खेल से जोड़कर उनका मनोबल बढ़ाने के मुहिम में हैं। बातचीत के आखिर में संजीदा खातून हरेक मांओं को अलिशा की तरबियत जैसी बेटी से नवाजने की अल्लाहतआला से दुआ मांगते हुए अपनी सिलाई मशीन के पहिए चलाना शुरू कर देती हैं मानों कि पैगाम दे रहीं है कि मां-बेटी का रिश्ता सुई-धागा के योग-संयोग जैसा ही होना चाहिए।

पंडित सुन्दरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी, बिलासपुर के योग साईन्स के पाठ्यक्रम सत्र 2024-2025 के हाल में ही हुए समापन सत्र के समारोह में शिरकत करने के दौरान अलिशा शेख से रू-ब-रू होना इत्तेफाकन रहा। बातचीत में अलिशा बताई कि योगासनों अभ्यास के जरिए अपनी अम्मीं जी की खराब हुई सेहत को तंदुरूस्त करने के दौरान ही वो खुद योग अभ्यासों व क्रियाओं में प्रायोगिक तौर पर माहिर हो चुकी थीं इस यूनिवर्सिटी में योग साईन्स से पी.जी. डिप्लोमा कोर्स में इम्तहान देकर अब वो योग साईन्स में खुद को मुक्कमल करने की कवायद में हैं। वैसे वो एग्रीकल्चर में एम.एस.सी. की तालीम पूरी कर हांलिया में बैकुंठपुर के स्वामी आत्मानंद शास.स्कूल में 2021 से बांटनी की

विश्व योग दिवस, 2025 के मौके पर खास पेशकश

लेक्चरार हैं। पढ़ाई लिखाई और इस शिक्षिकीय कार्य के दौरान शिक्षा, साहित्य, खेलकूद, सहित स्वास्थ्य आदि में सृजन साधक, नवसृजन, मीराबाई, परशुराम, अटल बिहारी बाजपेई सम्मान, ब्यूटी कांटेस्ट, मिस कोरिया आईकॉन 2022 जैसे दीगर प्रतिष्ठित सम्मान हासिल कर खुद को हुनरमंद होना साबित कर चुकीं हैं। अलिशा को बहुत उम्र से ही इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन सहित 45 से अधिक नेषनल-इँटरनेशनल स्तर पर सम्मान प्राप्त है। अलिशा पॉवर लिफ्टर, अनाउंसर, कवियित्री, और शास्त्रीय नृत्यांगना भी है। एच.ओ.डी. प्रोफेसर शर्मा, योग साईन्स विभाग के डॉ. डोगेश्वर साहू, डॉ. श्वेता कुर्रे के आतिथ्य में इस योग सत्र में शामिल छात्र-छात्राओं के अनुभव साझा करने के साथ कुछेक आसनों का डिमॉस्ट्रेशन भी किया जा रहा था, अलिशा शेख द्वारा बखूबी मंच संचालन किया गया। अपनी अम्मी संजीदा खातून को योग साईन्स के मार्फत बखूबी सेहतमंद कर उन्हें पॉवर लिफ्टर के मुकाम तक पहुँचाने और 50 से 55 साल की उम्र में आईकॉन बनाकर मेडिकल साईन्स को धत्ता बताने के मैसेज में अलिशा कहती हैं कि सब खुदा की दी हुई नेमत है मैं या मेरा प्रयास महज एक जरिया है। दो चीजें मैं कहना चाहूँगी दो प्रश्न मैं पूछ रही हूँ आप लोगों से यही मेरा आज का उद्बोधन है समझीएगा। जो क्लासेस हमने की है, जो टेन डेज का हमारा क्लास रहा या जिस पाठ्यक्रम में हम प्रवेश लिए हैं आप लोगों ने इन दस दिनों में अपना समय दिये हैं, जो भी चीजें यहाँ सीखें हैं उस चीजों को आप किस प्रकार से अपने लाईफ में अपने जीवन में अपनायेंगे इसी से रिलेटैड ये दो प्रश्न हैं पहला है आज सभी आप आज का समाचार पढे होगें कि अहमदबाद में जो दुर्घटना हुई, कोविड का एक समय चला है ये चीजें हम देख रहे हैं वर्तमान में कि कभी भी किसी का जीवन काल कोई निश्चित नहीं रहता है तो उस कंडीशन में हमारा लाईफ स्टाईल कैसा होना चाहिए कि आज यदि हमारी मृत्यु हो तो हम पूरी संतुष्टि के साथ मरें? ये पहला क्यूश्चन है। दूसरा कि जैसे आप लोग देखते हैं कि बहुत अच्छे पोजिशन में रहता है, कोई मंत्री रहता है कोई आईएएस होता जिनके पास बहुत ज्यादा पॉवर होता है और फेसलिटी होता है कि वो हर कंडीशन में अपनी परेशानियों को ठीक कर सकता है उस कंडीशन में भी उन्हें सुसाईड करना पड़ता है हम सुनते हैं ये चीजें है ना बहुत बडे-बड़े पोजीशन में भी होकर सुसाईड करते हैं तो इन कंडीशनों में जिनके पास आल फेसलिटी है चाहे वो डॉक्टर चाहे वो अपने प्राब्लम्स को किसी को भी ऑर्डर देकर सब चीज कर सकते हैं लेकिन इस कंडीशन में भी अपने आप को बैलेंस क्यों नहीं कर पाते है। इन चीजों को हमने सीखा है क्लास में पढ़ा है, समझा है बस ये दो प्रश्न है कि ऐसे कंडीशन्स क्यूं आते है और ऐसे कंडीशन को हम किसी प्रकार अच्छे से अपने आप को बैलेंस कर सकते है और अपने आसपास के लोगों को हम बैलेंस करना सीखा सकते है ये दो क्यूश्चन है मेरा और इसे आप लोग अच्छे से लगता है समझते हैं और इसे अपने जीवन में अप्लाई करेंगे और उत्तर भी आप लोग अच्छे से समझेगें यही मेरा आज का संदेश है। पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी में योग साईन्स की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्वेता कुर्रे का दिल को छू ले वाला ये मैसेज जब योग साईन्स के पाठ्यक्रम के स्टुडेट्स की बिदाई समारोह में सुना गया तो जाहिर है कि सन्नाटे को हलचल में बदलने में कुछ वक्त लगा होगा। संतुलनम्‍ योगस्य प्राणः श्लोक पढ़ते हुए योग साइंस की स्टुडेंट अक्षिता अदिति तिवारी का भी मानना है कि संतुलन ही योग का सार है और यही सत्य भी है। मनुष्य के जीवन में संतुलन होने की तासीर बेहद ही जुरूरी है, और यह खासियत योग अभ्यासों से ही मिलता है। अदिती इस सुक्ति पर भी जोर देकर कहती हैं कि एडिक्शन लेड्स टू डेथ के मायने इस तरह भी समझा जा सकता है कि एक्सेशन लेड्स टू डेथ यानि जहाँ अति है वहाँ मृत्यु तय है। अदिती के मुताबिक सभी लोगों को इसी अति को अपने जीवन से हटाने खातिर योगाभ्यासों को आत्मसात किया जाना चाहिए। हालाँकि 28 साल की अक्षिता अपने बचपन से ही योग करते आ रही हैं, लेकिन योग के असल मायना पीएसएसओयू के इस पाठ्यक्रम में शामिल व हिस्सा होने बाद से समझ में आना बतातीं है। आगे की अपनी जीवन-शैली को सुधारने का अबूझ तरीका मिलने की खुशी अदिती की सूरत-सीरत पर झलकने लगी है। और अब उनका भी माद्दा है कि योगभ्यासों के माध्यमों से वो समाज की लड़्कियों, महिलाओं में सकारात्मक उर्जा भरने में समाज के प्रति समर्पित रहेंगी। सक्ती के शिक्षक श्री ब्रजेश तिवारी और सीधी सादी गृहणी अनामिका तिवारी की बेटी अक्षिता बी.ई. (इलेक्ट्रिक-इलेक्ट्रानिक) की डिग्री होल्डर है, स्कूलिंग एजुकेशन से अब तक महामहिम राज्यपाल श्री ई.नरसिम्हन, पूर्व केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री स्व. अर्जुन सिंह सहित दीगर अतिथियों से अक्षिता को सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हैं। बिदाई सत्र के शुरूवात में एच.ओ.डी. प्रोफेसर (डॉ.) हीरालाल शर्मा, योग साइंस विभाग के प्रोफेसर (डॉ.) डोगेश्वर साहू, असिस्टेंट प्रोफेसर (डॉ.) श्वेता कुर्रे के समक्ष योग केस्टुडेंट्स अक्षिता अदिति, वीरेंद्र पाल, शीला बरिहा, श्वेता जायसवाल, नीलम चैधरी, रीतू पटेल, राधिका यादव, सुमन कुमार, गीता वैष्णव द्वारा विभिन्न योगासनों के अभ्यासों का प्रदर्शन करने के पश्चात सुमनकुमार, नीलेश्वरी, नीलम, श्वेता, अक्षिता अदिती ने शिक्षा सत्र में अर्जित अनुभवों को भी साझा किया गया। अलिषा शेख द्वारा श्रीमद् भगवत गीता के श्लोकों और उद्धरणों के साथ मंच संचालन बखूबी किया गया।

समरेंद्र शर्मा (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नीयत उजली, अमल धुंधला: इसलिए युक्तियुक्तकरण अधूरा

आमाननीय मुख्यमंत्री जी,मैं यह लेख आपको संबोधित करते हुए इसलिए लिख रहा हूं क्योंकि आपने छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और सशक्त बनाने के उद्देश्य से जो युक्तियुक्तकरण नीति लागू की, उसकी मंशा तो पूरी तरह साफ और दूरदर्शी है, लेकिन दुर्भाग्यवश उसके क्रियान्वयन में जिस तरह की लापरवाही सामने आ रही हैं, वे इस नीति की आत्मा को आहत कर रही हैं। आपने शिक्षा विभाग को यह स्पष्ट दिशा दी कि राज्य का कोई भी विद्यालय शिक्षकविहीन न रहे, संसाधनों का संतुलित वितरण हो और विशेष रूप से ग्रामीण व आदिवासी अंचलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ हो सके। आपने शिक्षक को केवल एक सरकारी कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज निर्माण की रीढ़ माना। आपका यह दृष्टिकोण निश्चित ही प्रशंसनीय है। लेकिन अफसोस की बात है कि जिस नीति को आपने शिक्षा सुधार की नींव के रूप में प्रस्तुत किया, वही नीति आज शिक्षकों में असंतोष, अपमान और भ्रम का कारण बनती जा रही है। जिन शिक्षकों के भरोसे आपने इस नीति को धरातल पर उतराने की कल्पना की थी, वही आज स्वयं को उपेक्षित और निशाना बना महसूस कर रहे हैं। नीति का क्रियान्वयन स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ जिला और ब्लॉक स्तर के प्रशासन को सौंपा गया, लेकिन वहीं से इसके उद्देश्य कमजोर पड़ने लगे। शिक्षकों की ओर से लगातार यह शिकायतें सामने आ रही हैं कि स्थानांतरण प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी की जा रही है, छात्र संख्या में हेराफेरी कर पदस्थापना को प्रभावित किया गया है, वरिष्ठता की उपेक्षा कर कनिष्ठों को प्राथमिकता दी गई है, और यहां तक कि नियमानुसार छूट के पात्र शिक्षकों की याचिकाएं भी अनसुनी रह गई हैं। इन सबका परिणाम यह हुआ है कि नीति की पारदर्शिता और नैतिकता दोनों संदेह के घेरे में आ गई हैं। शिक्षकों का विश्वास डगमगाने लगा है। कई शिक्षक न्यायालय की शरण में जा चुके हैं और अनेक मानसिक दबाव की स्थिति में कार्य कर रहे हैं। जो शिक्षक कभी पूरे समर्पण से बच्चों को शिक्षित करते थे, वे आज फाइलों, अपीलों और असुरक्षा के माहौल में उलझे हैं। इसका असर केवल शिक्षकों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और उनके शैक्षणिक भविष्य पर भी पड़ा है। मुख्यमंत्री जी, आपके नेतृत्व में बनाई गई किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह नीति किस तरह जमीन पर लागू होती है। यदि प्रशासनिक स्तर पर नीति का निष्पक्ष और पारदर्शी क्रियान्वयन न हो सके, तो उसका दोष अंततः सरकार और नेतृत्व पर ही आता है। जनता अधिकारियों की गड़बड़ियों को नहीं पहचानती, वे यही कहते हैं कि सरकार ने अन्याय किया। आज शिक्षकों में व्याप्त नाराजगी और असंतोष की जड़ें प्रशासनिक मनमानी में हैं। लेकिन यह संतोषजनक है कि वे अब भी आपकी नीयत पर भरोसा रखते हैं। यही विश्वास इस लेख का आधार भी है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्तिगत रूप से इस नीति की समीक्षा की पहल करें। एक स्वतंत्र और पारदर्शी समीक्षा समिति गठित की जाए, जो जिलेवार स्थानांतरणों और युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच करे। साथ ही एक डिजिटल सार्वजनिक पोर्टल बनाया जाए, जहां प्रत्येक विद्यालय की छात्र संख्या, स्वीकृत पद, तैनात शिक्षक और स्थानांतरण की पूरी जानकारी सुलभ हो। वरिष्ठता, सेवाकाल, पारिवारिक परिस्थिति जैसे मानकों को स्थानांतरण के स्पष्ट आधार के रूप में बाध्यकारी बनाया जाए। आपकी नीयत साफ है, यह शिक्षकों और समाज को भलीभांति ज्ञात है, जिसकी प्रशंसा होनी चाहिए थी। लेकिन प्रशासनिक लापरवाहियों ने उस नीति को बदनाम करने की स्थिति ला दी है। शिक्षा केवल एक विभाग नहीं, बल्कि राज्य का भविष्य है। इसमें की गई कोई भी त्रुटि एक पूरी पीढ़ी पर असर डाल सकती है। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए युक्तियुक्तकरण की नीति को न केवल उसकी गरिमा, बल्कि उसके उद्देश्य के अनुरूप प्रतिष्ठित करना बेहद जरूरी है।

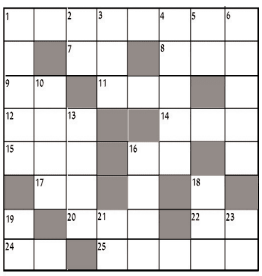

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1357

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1906 को इस भारतीय क्रांतिकारी ने जन्म लिया था (8)
7. भुना हुआ दाना, लावा, कील (2)
8. जंगल, वन, अरण्य (3)
9. सिंह, वीर पुरूष, नाहर, केसरी (2)
11. दावा, फरियाद, अभियोग, मुकदमा (3)
12. डर, भय, आशंका, जोखिम (3)
14. गंध फैलाना (3)
15. चांदी, उजला (3)
16. एक प्रसिद्ध दिवंगत हास्य अभिनेता जिनका बेटा भी अभिनेता-निर्देशक था (2)
17. मिट्टी एवं पानी आदि का लेसदार घोल (2)
20. फर्श आदि पर बिछाई जाने वाली छपी हुई चादर (3)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)
24. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित पेरू देश की यह राजधनी है (2)
25. तारा शंकर बंदोपाध्याय की एक सुप्रसिद्ध कृति, समूह में बंटे हुए देवता (5)

ऊपर से नीचे

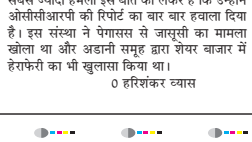

1. चंद्रमारूपी शिरोभूषण पहनने के कारण भगवान शिव का एक नाम (5)
2. अभिमान, दर्प, डींग, अकड़ (2)
3. अखरना, खटकना, बुरा लगना (3)
4. छोटे-छोटे तारों का समूह, मंदाकिनी (5)
5. प्राण, मूल तत्व, शरीरिक शक्ति, सामर्थ्य (2)
6. दन-दन शब्द होना, खुशी मनाना (5)
10. रात्रि में होने वाला जागरण (4)
13. उल्लू को यह भी कहा जाता है (4)
16. हमला करना, चढ़ाई करना (4)
18. पद के लिए उम्मीदवारों में से बहुमत के आधार पर चुनना (3)
19. इस देश में तांबे की विश्व की सबसे बडी खान है जो कि 3000 मीटर की ऊंचाई पर है (2)
21. संसार, विश्व, एक प्रकार का बर्तन (2)
23. रिश्ता, संबंध (2)

वर्ग पहेली 1356 का हल

मु	के	श		बे	ल	गा	म
म	ला	ल		त	ख	मी	ना
ता		भ	ग	वा			व
ज	य		री		ग	ब	न
	क	री	ब		या	म	
द	र	मा		बा	ना		र
ल	की		सा	दा		दा	ग
	ब	ल	रा	म	जा	ख	ड़

एकदा

सरकार ओसीसीआरपी की साख पर सवाल उठा रही

कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर आरोप है कि वे देश में विकास को बाधित कर रहे हैं, निवेश रोकना चाहते हैं, देश को बदनाम कर रहे हैं आदि आदि। सवाल है कि क्या गौतम अडानी के खिलाफ कोई बात कहना देश के खिलाफ बोलना हो गया? पहले तो भाजपा और केंद्र सरकार के इकोसिस्टम ने यह नैरेटिव बनाया कि सरकार के खिलाफ या नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलना देश के खिलाफ बोलना होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री और सरकार को ही देश बना दिया। अब क्या नरेंद्र मोदी वाली स्थिति ही गौतम अडानी की भी देश में बना रहे है, जो उनके खिलाफ बोलने को भी देश के खिलाफ बोलना कहा जाएगा? इसी तरह दूसरा सवाल यह है कि ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट यानी ओसीसीआरपी की किसी रिपोर्ट का हवाला देना देश विरोधी कैसे हो गया? यह संस्था तो पूरी दुनिया में भ्रष्टाचार और संगठित अपराध के मामले खोलती है। इसका मतलब है कि संस्था भ्रष्टाचार विरोधी है। तो भ्रष्टाचार विरोधी संस्था भारत विरोधी संस्था कैसे हो गई? संस्था की रिपोर्ट भ्रष्टाचार के खिलाफ है और हम कह रहे हैं कि भारत के खिलाफ है। भाजपा का राहुल गांधी के ऊपर सबसे ज्यादा हमला इस बात को लेकर है कि उन्होंने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का बार बार हवाला दिया है। इस संस्था ने पेगासस से जासूसी का मामला खोला था और अडानी समूह द्वारा शेयर बाजार में हेराफेरी का भी खुलासा किया था।

0 हरिशंकर व्यास

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे। आज आपकी रुचि अध्यात्म में रहेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से कोई सलाह मिलेगी। आज किसी पुराने मित्र से- मुलाकात, आपको खुशी देगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नज? आएंगी। आपका मिलनसार व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा। आपके विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने का काम कर सकते हैं

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किए जा सकते हैं। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी,

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है । आज करीबी दोस्त या रिश्तेदार किसी काम में आपका सहयोग करेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना अच्छा रहेगा। प्रोफेशनल कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना ले। आज किसी भी प्रकार का अनुचित कार्य आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

मकर राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। सही रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कंफ्यूजन की स्थिति खत्म होगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा।

योगिनी एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा? शुभ मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी का विशेष महत्व है, और यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। इस एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत का विधान है। ऐसी मान्यता है कि योगिनी एकादशी का व्रत रखने और भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करने से सभी पापों का नाश होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने से शारीरिक कष्ट और बीमारियां दूर होती हैं। ऐसा कहा जाता है योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कब रखा जाएगा व्रत?

यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को पड़ती है। एकादशी तिथि 21 जून 2025 को सुबह 07 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी और 22 जून 2025 को सुबह 04 बजकर 27 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के नियमानुसार, व्रत 21 जून को ही रखा जाएगा। व्रत का पारण का समय 22 जून रविवार को दोपहर 01 बजकर 47 मिनट से शाम 04 बजकर 35 मिनट तक रहेगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

योगिनी एकादशी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त अलग-अलग है। आप उस हिसाब से पूजा-पाठ विधिवत रूप से भगवान विष्णु का कर सकते हैं।

सुबह का शुभ मुहूर्त -
07.26 से 09.07 तक

अभिजीत मुहूर्त -
दोपहर 12.01 से 12.55 तक

दोपहर का शुभ मुहूर्त-
8 से 02.09 तक

दूसरा दोपहर का शुभ मुहूर्त -
03.49 से 05.30 तक

योगिनी एकादशी के दिन पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत और पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप कर्म समाप्त हो जाते हैं। पद्म पुराण के अनुसार, यह व्रत सभी पापों को नाश करने वाला है। आपको बता दें, इस एकादशी को रोग नाशक एकादशी भी कहा जाता है।

ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति शारीरिक या मानसिक कष्टों से परेशान है, उसके लिए योगिनी एकादशी का व्रत अत्यंत लाभकारी होता है और इस दिन पूजा करने से शारीरिक रोग दूर होते है।

योगिनी एकादशी को क्यों कहा जाता है रोग संहारक व्रत

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी की पूजा का विशेष महत्व है। यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी है और इसे तीनों लोकों में प्रसिद्ध एकादशी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है। यह व्रत पापों को शांत कर जीवन को सुखी बनाता है। यह एकादशी उन लोगों के लिए विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है जो किसी श्राप या शाप से पीड़ित हैं। माना जाता है कि इस व्रत के प्रभाव से ऐसे श्रापों का निवारण होता है और व्यक्ति को शांति प्राप्त होती है। इसके अलावा, यह एकादशी शारीरिक कष्टों से मुक्ति दिलाने और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देने वाली भी मानी जाती है। आपको बता दें, यह व्रत रोग संहारक वाला माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। पापो का नाश होने से शारीरिक और मानसिक कष्टों से भी मुक्ति मिलती है, क्योंकि कई रोगों का कारण पूर्व जन्म के कर्म या पाप माने जाते हैं। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार माना जाता है और उनकी कृपा से सभी प्रकार के दुख, कष्ट और रोग दूर होते हैं।

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने से लाभ हो सकता है। साथ ही जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो सकती है। अब ऐसे में योगिनी एकादशी को रोग संहारक व्रत के नाम से जाना जाता है।

योगिनी एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना और व्रत करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे आरोग्य का वरदान मिलता है। आपको बता दें, योगिनी एकादशी को रोग संहारक व्रत कहे जाने के पीछे एक कथा है। कहा जाता है कि स्वर्ग का एक माली हेममाली, जो भगवान शिव का भक्त था। वह अपनी पत्नी के वियोग में कोढ़ी हो गया था। तब नारद मुनि के कहने पर उसने योगिनी एकादशी का व्रत विधि-विधान से किया। इस व्रत के प्रभाव से हेममाली को न केवल कुष्ठ रोग से मुक्ति मिली, बल्कि उसे अपना सुंदर रूप वापस मिल गया और वह अपने परिवार व स्वामी के पास लौट सका। यह कथा बताती है कि योगिनी एकादशी का व्रत गंभीर से गंभीर शारीरिक रोगों का नाश करने की शक्ति रखता है। ऐसा माना जाता है कि इस व्रत का पालन करने से 18 प्रकार के कुष्ठ रोग और शारीरिक व्याधियां दूर होती हैं।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने कौन सा दीया जलाना चाहिए?

योगिनी एकादशी का व्रत रखने से मानसिक बल मिलता है जिसके कारण व्यक्ति की निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है। साथ ही, यह व्रत रखने से व्यक्ति की इन्ट्यूशन पॉवर भी बढ़ती है क्योंकि योगिनी एकादशी भीतर के ज्ञान और चेतना को जागृत करती है। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की योगिनी एकादशी को बहुत पुण्यकर माना जाता है क्योंकि इस एकादशी का व्रत रखने से आध्यात्मिक उन्नति होती है, ध्यान और योग के माध्यम से भगवत ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है एवं इस एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा से मानसिक बल मिलता है जिसके कारण व्यक्ति की निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है और उसकी भीतर की चेतना भी जागृत होती है या यूं कहें कि मजबूत होती है। सरल शब्दों में समझाए तो योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति की इन्ट्यूशन पॉवर बढ़ती है। इसी कारण से इस व्रत के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करते हुए ध्यान लगाना बहुत आवश्यक माना गया है। वहीं, दूसरी ओर इस दिन भगवान विष्णु की आराधना के दौरान विशेष दीया जलाने का भी महत्व और लाभ है। ऐसे में आइये जानते हैं कि योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के समक्ष कौन सा दीया जलाएं और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने पूजा के दौरान गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाना चाहिए। गेंदे का फूल बृहस्पति ग्रह से संबंधित माना जाता है। बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, बुद्धि, समृद्धि, सौभाग्य, संतान और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। वहीं, कपूर को ज्योतिष में शुक्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। शुक्र ग्रह ऐश्वर्य, सुख-समृद्धि, सौंदर्य, प्रेम और दांपत्य जीवन का कारक है।

ऐसे में भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति की बुद्धि तेज होती है, शिक्षा में सफलता मिलती है और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। यह दीया जलाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न हो जाते हैं।

भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से संतान संबंधी समस्याओ और विवाह में आने वाली बाधाओं से छुटकारा मिलता है। भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से क्ति के भीतर के अहंकार का नाश होता है और विनम्रता बढ़ती है। शांति का अनुभव होता है और मानसिक तनाव कम होता है। चूंकि भगवान विष्णु पितरों के देवता हैं, ऐसे में इससे पितृ दोष भी दूर होता है।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करने से मिलते हैं ये लाभ

योगिनी एकादशी का व्रत रखने से भक्तों को सभी कष्टों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इस एकादशी के दिन व्रत रखने से व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर होती है और मनचाहे परिणाम मिलते हैं। योगिनी एकादशी के दिन रोग संहारक के व्रत के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के हिसाब से योगिनी एकादशी का व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। वहीं इस साल यह व्रत 21 जून को रखा जाएगा। अब ऐसे में एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ अभिषेक करने का भी महत्व है। अब ऐसे में भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करने का क्या महत्व है।

- योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का करें केसर से अभिषेक
- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा घर को साफ करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- एक लोटे में गंगाजल या शुद्ध जल लें और उसमें थोड़ा सा केसर घोल लें।
- अब इस केसर मिश्रित जल से भगवान विष्णु का धीरे-धीरे अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- अभिषेक के बाद भगवान को पंचामृत यानी कि दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल का मिश्रण से स्नान कराएं।
- इसके बाद फिर से शुद्ध जल से स्नान कराकर उन्हे साफ कपड़े से पोंछें।
- भगवान को पीले वस्त्र, चंदन, पुष्प, तुलसी दल और भोग अर्पित करें।
- आखिर में भगवान विष्णु की आरती करें।

भगवान विष्णु को केसर अत्यंत प्रिय है। योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से भगवान विष्णु शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। केसर अभिषेक से घर में सुख-समृद्धि आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। ऐसी मान्यता है कि केसर से अभिषेक करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यह दरिद्रता दूर कर धन-धान्य में वृद्धि करता है।

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। योगिनी एकादशी का व्रत रखना बहुत पुण्यकर माना जाता है। इस व्रत को रखने और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते है और उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह व्रत न केवल शारीरिक कष्टों और बीमारियों को दूर करता है बल्कि 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य भी प्रदान करता है। इसके अलावा, योगिनी एकादशी के दिन दाना का भी बहुत महत्व माना जाता है।

घर की दरिद्रता करना चाहती हैं दूर तो योगिनी एकादशी के दिन करें इन चीजों का दान

- योगिनी एकादशी के दिन गेहूं, चावल, दालें, या पका हुआ भोजन जैसे खिचड़ी, पूड़ी-सब्जी। आप किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को, मंदिर में या किसी गौशाला में दान कर सकते हैं। अन्न का दान शास्त्रों में सर्वोतम दान माना गया है। इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और मां अन्नपूर्णा की कृपा बनी रहती है। यह व्यक्ति के पिछले जन्मों के पापों को भी नष्ट करता है और भविष्य में सुख-समृद्धि लाता है। ज्योतिष के अनुसार, अन्न दान से कुंडली में कमजोर ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है और दरिद्रता दूर होती है।
- गरीबों या जरूरतमंदों को साफ और नए कपड़े दान करें। विशेष रूप से पीले रंग के वस्त्र दान करना शुभ माना जाता है क्योंकि पीला रंग भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। वस्त्र दान से व्यक्ति को मान-सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यह घर में सुख-शांति लाता है और सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है। ज्योतिष में, पीले वस्त्रों का दान बृहस्पति ग्रह को मजबूत करता है जिससे ज्ञान, भाग्य और समृद्धि बढ़ती है।
- प्यासे लोगों को पानी पिलाएं, सार्वजनिक स्थानों पर पानी की व्यवस्था करें या जल से भरे कलश का दान करें। जल का दान जीवन और तृप्ति का प्रतीक है। इससे पितरों को शांति मिलती है और व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है। ज्योतिष में जल दान चंद्रमा ग्रह को शांत करता है जिससे मन की चंचलता दूर होती है और भावनात्मक स्थिरता आती है।
- मंदिर में, पीपल के पेड़ के नीचे या तुलसी के पौधे के पास घी या तेल का दीपक जलाएं। दीप दान करने से जीवन से अंधकार दूर होता है और ज्ञान का प्रकाश फैलता है। यह घर की दरिद्रता दूर करता है और सभी इच्छाओं की पूर्ति में सहायक होता है। ज्योतिष के अनुसार, दीप दान करने से सूर्य और मंगल जैसे ग्रहों के शुभ प्रभाव बढ़ते हैं जो ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता प्रदान करते हैं।
- अपनी क्षमतानुसार ब्राह्मणों, जरूरतमंदों या धार्मिक संस्थाओं को धन दान करें। धन का दान व्यक्ति के अंदर की लोभ की भावना को कम करता है और उदारता बढ़ाता है। इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं। ज्योतिष में धन का दान शुक्र ग्रह को बल देता है जिससे सुख, ऐश्वर्य और भौतिक समृद्धि आती है।
- मौसमी फल जैसे आम, केला, सेब आदि का दान करें। फलों का दान आरोग्य और खुशहाली लाता है। यह जीवन में मिठास भरता है और संतोष की भावना प्रदान करता है। इन चीजों का दान करते समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दान निस्वार्थ भाव से और पूरी श्रद्धा के साथ किया जाए। दिखावे के लिए किया गया दान उतना फलदायी नहीं होता जितना सच्चे मन से किया गया दान।

प्रभारी नपा सीएमओ चौहान सस्पेंड

SUSPEND

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन द्वारा प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनेंद्रगढ़ मुक्ता सिंह चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर नियत किया गया है, जहां उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। यह कार्रवाई मुक्ता सिंह चौहान मूलपद राजस्व उप निरीक्षक प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नगर पालिका परिषद सूरजपुर में पदस्थापना के दौरान अपने पद का दुरूपयोग करते हुए अवैधानिक तरीके से नगर पालिका की संपत्ति से हाईटेक बस स्टैण्ड में स्वावलंबन योजना के तहत दुकानों का निर्माण कर आबंटन करने तथा निर्माण एजेंसी को स्वीकृत राशि से अधिक का भुगतान कर आर्थिक क्षति पहुंचाने के लिए उत्तरदायी पाए जाने पर की गई है, जो गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है।

न्यूज गैलरी

विशेष पिछड़ी जनजाति की 2 छात्राओं का प्रयास विद्यालय में चयन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। विकासखंड भरतपुर के माध्यमिक शाला देवगढ़ की दो होनहार छात्राएं काजल बैगा एवं शशिकला बैगा ने प्रयास विद्यालय हेतु आयोजित चयन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। इन दोनों छात्राओं का चयन प्रतिष्ठित प्रयास विद्यालय में हुआ है। विशेष पिछड़ी जनजाति से संबंधित दोनों छात्राओं ने कठिन परिश्रम और लगन से न सिर्फ अपने परिवार का बल्कि पूरे ग्राम देवगढ़ का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और विद्यालय परिवार ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

योगः स्वस्थ जीवन की संजीवनी, आत्मबल और आत्मनिर्भरता की राह'

कोरिया बैकुंठपुर। जब भी हम भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर की बात करते हैं, तो योग का नाम गर्व के साथ लिया जाता है। योग केवल शरीर को मोड़ने या सांस लेने का तरीका नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी जीवनशैली है जो तन, मन और आत्मा को संतुलित करती है। हर वर्ष २१ जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक संदेश है। एक आह्वान है कि हमें अपने जीवन में योग को स्थान देना चाहिए ताकि हम न केवल खुद को, बल्कि समाज को भी निरोग, नकारात्मकता मुक्त और आत्मनिर्भर बना सकें। योग का जन्म भारत की पवित्र भूमि पर हजारों साल पहले हुआ। यह ऋषियों, मुनियों और साधकों की तपस्या का फल है। योग शब्द 'युज्' धातु से निकला है, जिसका अर्थ है 'जोड़ना' । आत्मा और परमात्मा का मिलन, शरीर और चेतना का संतुलन। २०१४ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने की ऐतिहासिक पहल की। उनके प्रस्ताव पर १७७ देशों ने समर्थन दिया और २१ जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' घोषित किया गया। २७ सितम्बर २०१४ को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण में विश्व समुदाय से एक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने अपील की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि 'योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है, विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह केवल व्यायाम के बारे में नहीं है, लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। तो आयें एक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने की दिशा में काम करते हैं।' वर्ष २०१५ से यह दिन हर साल पूरे विश्व में श्रद्धा, प्रेरणा और स्वास्थ्य के प्रतीक के रूप में मनाया जा रहा है। वर्ष २०२५ की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। निश्चित ही यह थीम धरती और धरती पर रहने वाले करोड़ो नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपयोगी साबित होगी।

योग: केवल शरीर नहीं, संपूर्ण जीवन का विज्ञान - आधुनिक जीवनशैली ने इंसान को मशीन बना दिया है! तनाव, अवसाद, नींद की कमी, मोटापा, मधुमेह, बीपी, दिल की बीमारी जैसी समस्याएं आम होती जा रही हैं। इनका समाधान केवल दवाओं में नहीं, बल्कि जीवन के प्राकृतिक और वैज्ञानिक संतुलन में है और यही संतुलन योग से संभव है।

शारीरिक लाभ-योगासन - प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से शरीर लचीला, मजबूत और रोग प्रतिरोधक बनता है। चिंता, भय, अवसाद, क्रोध जैसे मानसिक विकारों को शांत करता है। आंतरिक शांति, आत्मज्ञान और संतुलित दृष्टिकोण प्राप्त होता है। जब शरीर स्वस्थ रहेगा, तो इलाज, दवा, हॉस्पिटल आदि पर खर्च नहीं होगा। यह धन की सीधी बचत है।

आत्मनिर्भरता और आत्मबल का माध्यम है योग - योग व्यक्ति को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाता है। जब मन शांत होता है, तो निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है। योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि वह शक्ति है जो संघर्ष में भी संतुलन बनाए रखना सिखाता है। स्वामी विवेकानंद कहते थे, 'मनुष्य स्वयं अपनी परिस्थितियों का निर्माता है।' योग हमें इसी आत्मबल की अनुभूति कराता है।

योग करें, लेकिन समझदारी से - हालाँकि योग हर किसी के लिए है, लेकिन इसे बिना मार्गदर्शन और जानकारी के करना हानिकारक हो सकता है। विशेष रूप से निम्नलिखित स्थितियों में योग विशेषज्ञ की सलाह आवश्यक है। हृदय रोग,अस्थमा, टीबी या फेफड़ों की बीमारी, मधुमेह या उच्च रक्तचाप, गर्भावस्था, एनीमिया या कमजोरी। योग एक वैज्ञानिक पद्धति है। इसे उत्साह में, देखादेखी या सोशल मीडिया वीडियो देखकर न करें। उचित मार्गदर्शन से ही इसका पूर्ण लाभ मिलता है।

समाज और राष्ट्र के लिए योग का योगदान - आज जब पूरी दुनिया तनाव, पर्यावरण संकट और जीवनशैली जनित रोगों से जूझ रही है, ऐसे समय में योग एक विश्व समाधान के रूप में सामने आया है। यदि हर व्यक्ति दिन का केवल ३० मिनट योग को दे, तो अस्पतालों की कतारें घटेंगी, मानसिक रोगों में कमी आएगी, कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ेगी, समाज अधिक सकारात्मक, शांत और सशक्त बनेगा। इसलिए, योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य नहीं, राष्ट्र निर्माण का भी एक साधन है। कुल मिलाकर हम सकते हैं कि योग भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ करता है, बल्कि जीवन को एक नए दृष्टिकोण से देखने की शक्ति देता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए 'मैं योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाऊंगा, न केवल स्वयं के लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी।' आइए, एक नए युग की शुरुआत करें, जहाँ हर घर में योग हो, हर जीवन में ऊर्जा हो और हर हृदय में शांति हो।

(विजय मानिकपुरी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी)

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म "श्री नरेंद्र कमर्शियल"
डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,
* S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
* सैलरी - योग्यतानुसार
* बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
* स्थानीय युवकों को वरीयता

पता -"श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)
संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में योग दिवस ने नई मिसाल कायम की - भीमसेन अग्रवाल

कोरिया बैकुण्ठपुर - भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बैकुण्ठपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर प्रेसवार्ता किया गया। इस अवसर पर पाठय पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, निवर्तमान जिलाध्यक्ष कृष्णविहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, अनिता तिवारी, लक्ष्मण राजवाड़े, जिला महामंत्री विनोद साहू, संकल्प से सिद्धि के जिला संयोजक राजेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े, युवा नेता शारदा गुप्ता,पार्षद ममता गोयन उपस्थित रहें।

पाठय पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में २०२३ में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क में आयोजित योग दिवस ने नई मिसाल कायम की, इसमें १२१ देशो के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि, आज विश्व भर में योग का विस्तार हुआ है, सभी को प्रतिदिन योग करने का आह्वान किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष कृष्णविहारी जायसवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २१ जून को मनाया जाता है। संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के संयोजक राजेश सिंह ने कहा कि, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर भारतीय जनता पार्टी संगठनात्मक रूप से जिले के सभी मंडलों में योग दिवसर के लिए प्रभारी नियुक्त किया है, और मंडल स्तर पर जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकताओं एवं ग्रामीणजन के साथ योग करेंगे।

कोरिया जिले की दो प्रतिभाओं को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

कोरिया बैकुंठपुर - राज्य बाल संरक्षण अधिकार आयोग, रायपुर के स्थापना दिवस के अवसर पर राजधानी के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा की उपस्थिति रही। इस समारोह में बच्चों के संरक्षण एवं उनके सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कोरिया जिले से चयनित एक बाल गृह निवासी होनहार बालक एवं एक समर्पित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाल गृह के बच्चे की सराहना करते हुए कहा - कोरिया प्रवास के दौरान तुम्हारा बनाया हुआ चुके मुझे प्राप्त हुआ था। वह बहुत सुंदर था। तुम वाकई बहुत अच्छा बनाते हो। सम्मान प्राप्त कर लौटने के पश्चात दोनों प्रतिभाओं ने जिले के कलेक्टर श्रीमती संजय त्रिपाठी से भेंट की। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने बच्चों से कार्यक्रम की जानकारी ली और उन्हें कोरिया जिले का नाम रोशन करने पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी जगदेव प्रधान, जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र गुप्ता, बाल गृह अधीक्षक चंद्रेश सिंह सिसोदिया तथा बाल कल्याण अधिकारी सुनील शर्मा भी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आगामी 25 जून को

कोरिया बैकुंठपुर - पंचायती राज व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी जिला पंचायत में सामान्य सभा की बैठक आगामी २५ जून को होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा की अगुवाई में यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय के सभागार मंथन कक्ष में दोपहर साढे बारह बजे से आहूत की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, विधायक बैकुण्ठपुर क्षेत्र भइयालाल राजवाड़े, विधायक भरतपुर सोनहत क्षेत्र श्रीमती रेणुका सिंह तथा जिला पंचायत की उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को इस संबंध में सूचना प्रेषित कर दी गई है। जिला पंचायत में आहूत सामान्य सभा की बैठक में दोनों जनपद पंचायतों के अध्यक्षगण को भी बैठक में शामिल होने संबंधी सूचना प्रेषित की गई है। कार्यालय जिला पंचायत द्वारा जारी पत्र में सभी विभागों के जिला प्रमुखों को आवश्यक जानकारी के साथ समय पर बैठक में उपस्थित होने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी स्थायी समितियों की बैठक इसके पूर्व आयोजित कर सभी समितियों में सभापति की अनुमति से पारित प्रस्तावो को भी सामान्य सभा में रखे जाने के निर्देश जारी किए हैं।

अमृत सरोवरों के तट पर भी 21 जून को मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - डॉ आशुतोष

योग दिवस पर आयोजन और बारिश के पूर्व सभी मिटटी कार्यों के मूल्यांकन, सत्यापन हेतु निर्देश जारी

कोरिया बैकुंठपुर। अपनी विशिष्टता के कारण भारतीय योग अब भारत सहित पूरे विश्व में तेजी से अपनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में आगामी २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सभी अमृत सरोवरों के तट पर भी किया जाएगा। इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि कलेक्टर कोरिया एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक महात्मा गांधी नरेगा श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पूरे जिले में यह आयोजन किया जाएगा। योग दिवस के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष ने बताया कि राज्य स्तर से इस आयोजन के विस्तृत दिया निर्देष प्राप्त हुए हैं जिनके तारतम्य में जनपद पंचायतों के आवश्यक गतिविधियों की रूपरेखा प्रेषित की गई है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस के आयोजन में विशेष तौर पर ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच, स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों के साथ शासकीय कर्मचारियों के साथ मनरेगा के पंजीकृत श्रमिक अमृत सरोवरों के तट पर योग के सामान्य आसन, प्राणायाम और ध्यान आदि के सहज क्रियाओं का अभ्यास करेंगे।

उन्होने बताया कि योग के साथ ही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राम पंचायत के सरपंचों के नाम संदेश वाचन भी किया जाना है। आम जनों को योग के लाभ का महत्व बतलाते हुए उन्हे योग के प्रतिदिन अभ्यास से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए परिचर्चा और गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसका मूल उद्देष्य आम जनों को योग के प्रयोग से आम जीवन में निरोगी रहने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना होगा। गतिविधियों के आयोजन के पश्चात इसका प्रतिवेदन जिला पंचायत कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश भी प्रसारित किए गए हैं।

जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष ने आगे बताया कि अमृत सरोवरों के तट पर आयोजन किया जाना है और यदि बारिश हो जाती है तो यह आयोजन ग्राम पंचायत भवन या उस ग्राम में उपलब्ध सार्वजनिक भवनों में भी किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही बारिश के मद्देनजर सभी मिटटी कार्यों के त्वरित मूल्यांकन एवं सत्यापन के निर्देश भी जारी किए गए हैं। बारिश के बाद मिटटी कार्यों के मूल्यांकन सत्यापन में दिक्कत हो सकती है इसलिए राज्य के निदेर्शानुसार सभी मिटटी कार्यों खासकर अमृत सरोवरों और डबरी आदि के कार्यों में मिटटी का मूल्यांकन आगामी दो दिवस में पूरा कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही इन समस्त कार्यों का सत्यापन अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा कराए जाने के निर्देष दिए गए हैं।

न्यायालय तहसीलदार मनेन्द्रगढ़, जिला - मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

(श्रीमती इतवरिया सिंह पति छ.ग. शासन)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क.//अ-6/2024-25

ग्राम/नगर चैनपुर की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती इतवरिया सिंह आ. गुलजार सिंह, निवासी ग्राम चैनपुर, तहसील मनेन्द्रगढ़ द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि आवेदिका उपरोक्त वर्णित पता पर निवास करती है। जो कि स्व. राजेन्द्र कुमार सिंह आ. रामसुमेर सिंह की पत्नी है। स्व. राजेन्द्र कुमार सिंह आ. रामसुमेर सिंह, निवासी ग्राम चैनपुर मनेन्द्रगढ़ के स्वामित्व की भूमि एवं मकान अम्बिकापुर रोड तहसील स्थित भूमि ख.नं. 180/8 रकबा 0.024 हे. में है एवं ग्राम लाई प.ह.नं. 08 स्थित भूमि ख.नं. 61/6, 65/12 रकबा 0.809, 0.202 हे. थी। जिस भूमि को स्व. राजेन्द्र कुमार सिंह आ. श्री रामसुमेर सिंह के द्वारा अपने जीवनकाल में विक्रय कर दिया गया है। राजेन्द्र कुमार सिंह मृत्यु से पूर्व ही अपना उपरोक्त वर्णित भूमि एवं मकान को आवेदिका के पक्ष में पंजीकृत वसीयतनामा के माध्यम से दिनांक 07/07/2016 को श्रीमती इतवरिया सिंह आ. गुलजार सिंह, निवासी मनेन्द्रगढ़ के पक्ष में दर्ज करवा दिया था। आवेदिका उक्त भूमि एवं मकान में काबिज है। आवेदिका द्वारा स्व. राजेन्द्र कुमार सिंह के वृद्धावस्था में सेवा सुश्रुषा एवं देखभाल की जाती रही है। जिनकी मृत्यु दिनांक 09/04/2025 को हो गई है। आवेदिका निष्पादित पंजीकृत वसीयतनामा (अंतिम इच्छा) के आधार पर वसीयतनामा में उल्लेखित भूमि ख.नं. 180/8 रकबा 0.024 हे. स्व. राजेन्द्र कुमार सिंह आ. रामसुमेर सिंह के नाम के स्थान पर अपना नाम दर्ज कराना चाहती है। ऐसा आवेदन प्रस्तुत कर अपना नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अतः उक्त नामांतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है, तो दिनांक 30/06/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार
मनेन्द्रगढ़
जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम पर बैकुंठपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २१ जून २०२५ को बैकुंठपुर में अत्यंत भव्य एवं प्रेरणादायी रूप में मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" को ध्यान में रखते हुए सूर्य फाउंडेशन द्वारा यह आयोजन योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से जन-स्वास्थ्य एवं पर्यावरण जागरूकता को समर्पित रहेगा। कार्यक्रम का आयोजन आदर्श विद्यालय बैकुंठपुर के प्रांगण में किया जाएगा, जिसकी अगुवाई इंडियन नैचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन के कोरिया जिला अध्यक्ष वेद अरुण कुमार शुक्ला करेंगे। सूर्या फाउंडेशन, जो वर्षों से शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य एवं योग के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है, ने इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं और आम नागरिकों को योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः ६ बजे सूर्य नमस्कार से होगी, जिसके पश्चात योग गुरुजनों द्वारा विविध योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं प्राकृतिक चिकित्सा के व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को योग के लाभों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। योग प्रशिक्षकों द्वारा विशेष रूप से "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" के संदेश को समझाते हुए शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के समन्वय पर चल दिया जाएगा। आई.एन.ओ. जिला अध्यक्ष वेद अरुण कुमार शुक्ला ने बताया कि च्यह आयोजन केवल योग का अभ्यास करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवनशैली में योग को अपनाने और प्रकृति के साथ संतुलन बनाने का संदेश भी देता है।

धरसींवा के सांकरा में फिर एक युवक ने गंवाई जान

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे धरसींवा के सांकरा में सड़क हादसा थमने का नाम ही नहीं ले रहा है, मंगलवार को जहां वहीं पर एक युवक की मौत हुई थी वहीं गुरुवार की सुबह फिर एक युवक ने अपीन जान गंवा दी है वहीं दूसरा युवक गंभीर रुप से घायल है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। सिलतरा चौकी पुलिस की टीम ने मृत युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल धरसींवा भेज दिया। धरसींवा के सांकरा में फिर एक बार सड़क में युवक ने अपनी जान गंवा दी है। बताया जा रहा है कि खड़े ट्रक से पिकअप वाहन के टकराने से यह हादसा हुआ। इस हादसे में पिकअप का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और हेल्पर की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे की सूचना मिलते ही सिलतरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल वाहन चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। इसके बाद पुलिस ने मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है। सांकरा में एक हादसा हुआ था जिसमें एक साइकिल सवार बालक को तेज रफ्तार हाइवा ने रौंद दिया था।

जिले की सामान्य सभा की बैठक संपन्न, विभागीय योजनाओं की प्रगति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के अमृत सदन सभाकक्ष में जिला स्तरीय सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह और उपाध्यक्ष राजेश साहू सहित जिले के सभी जिला पंचायत सदस्यों एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और उनके क्रियान्वयन के लिए ठोस रणनीति तैयार करना था। सभी विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने संबंधित विभागों में चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बैठक में सबसे पहले वन विभाग के एसडीओ ऋषभ जैन ने बताया कि इस वर्ष जिले में व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना के तहत किसानों की निजी भूमि पर वाणिज्यिक पौधारोपण किया जाएगा, जिससे उन्हें आय का एक नया स्रोत प्राप्त होगा। कैंपा, सामाजिक वानिकी और धरती आबा अभियान के माध्यम से हरियाली के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग के अधिकारी ओमकार सिंह ने जल जीवन मिशन की प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिले के प्रत्येक गांव में नल कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं और दिसंबर 2025 तक शत-प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने अन्य विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। क्रेडा विभाग के खेमसिंह साहू ने बताया कि जिले में सौर सुजला योजना के तहत किसानों को सोलर पंप प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे सिंचाई सुविधा में सुधार हुआ है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी आरके सिन्हा ने मुख्यमंत्री असहाय योजना, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने के प्रयासों के बारे में बताया। वहीं श्रम विभाग के अधिकारी विनय सिंह ठाकुर ने निर्माण श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, विवाह और पेंशन जैसी सहायता योजनाओं की जानकारी दी। वहीं जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग के अधिकारी अंजू नायक ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना और एक जिला एक उत्पाद जैसी पहलों के तहत ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयासों के बारे में बताया। वहीं नरेगा और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों ने ग्रामीणों को रोजगार प्रदान करने और महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को मजबूत बनाने की जानकारी दी। आदिवासी विकास विभाग की अधिकारी अंकिता मरकाम ने विभाग से जुड़ी विभिन्न जनजातीय कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आदिवासी समुदाय के समावेशी विकास के लिए शासन द्वारा अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

कामिंदु मेंडिस ने बांग्लादेश के खिलाफ जड़ा दूसरा अर्धशतक, 5,000 प्रथम श्रेणी रन पूरे

0-टेस्ट क्रिकेट

नईदिल्ली,20 जून। श्रीलंका क्रिकेट टीम के मध्यक्रम बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी (87) खेली।

यह उनके टेस्ट करियर का 5वां और बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा अर्धशतक रहा। हालांकि, वह महज 13 रन से अपने छठे शतक से चूक गए।

इसके साथ ही उन्होंने अपने 5,000 प्रथम श्रेणी रन भी पूरे कर लिए।

बांग्लादेश के 495 रन के जवाब में श्रीलंका को पहली पारी में 293 रन के कुल स्कोर पर एंजेलो मैथ्यूज (39) के रूप में तीसरा झटका लगा था।

उसके बाद बल्लेबाजी पर आए कामिंदु ने पथुम निसांका (187) के साथ चौथे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी निभाई।

इसके बाद उन्होंने मिलन प्रियनाथ रथनायके (39) के साथ 7वें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी निभाई।

कामिंदु ने पारी में 148 गेंदों में 8 चौके और 1 छक्का लगाया।

कामिंदु ने अपने 57वें प्रथम श्रेणी मैच की 88वीं पारी में अपने 5,000 रन पूरे गए हैं। उनके अब 61 से अधिक की शानदार औसत के साथ 5,008 रन हो गए हैं।

3,000 प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले किसी भी अन्य श्रीलंकाई बल्लेबाज की औसत 60 से अधिक नहीं है।

कामिंदु अपने प्रथम श्रेणी करियर में अब तक 18 शतक और 24 अर्धशतक जड़ चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 200 रन का रहा है।

कामिंदु ने साल 2022 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का आगाज किया था।

वह अब तक 13 टेस्ट मैचों की 22 पारियों में 63.55 की औसत और 63.97 की स्ट्राइक रेट से 1,271 रन अपने नाम कर चुके हैं।

इस दौरान उन्होंने 5 शतक के अलावा 5 अर्धशतक भी जड़े हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 182 रन का रहा है। इसी तरह वह 3 बार नाबाद भी रह चुके हैं।

श्रीलंका के गाले स्टेडियम में बांग्लादेशी बल्लेबाजों की ओर से टेस्ट में खेली गई सर्वोच्च पारियां

नईदिल्ली,20 जून। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में 494 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया है।

इसमें टीम के बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम (163) और कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (148) की शतकीय पारियों का अहम योगदान रहा है। इसी तरह लिटन दास (90) ने भी शानदार पारी खेली।

इस बीच आइए गाले स्टेडियम में सर्वोच्च टेस्ट पारियां खेलने वाले बांग्लादेशी बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं।

रहीम बांग्लादेश के लिए श्रीलंका में टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2013 में गाले टेस्ट में दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी।

श्रीलंका के पहली पारी के 570/4 के स्कोर के जवाब में बांग्लादेश के लिए तत्कालीन कप्तान रहीम ने मोहम्मद अशरफुल (190) के साथ 267 रन की साझेदारी कर स्कोर को 638 पर पहुंचाया था।

रहीम ने पारी में 321 गेंदों पर 200 रन बनाए थे। उसमें 22 चौके और 1 छक्का शामिल था।

जैसा कि बताया गया है, अशरफुल ने भी उस गाले टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी।

वह तीसरे नंबर पर आए और उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजायरा पेश किया। अनुभवी बल्लेबाज ने रहीम के साथ साझेदारी में 417 गेंदों का सामना करते हुए 190 रन की अहम पारी खेली थी।

उन्होंने रंगना हेराथ द्वारा आउट किए जाने से पहले 20 चौके और एक छक्का लगाया था। उन्होंने बांग्लादेश को पहली पारी में बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

इस सूची में रहीम ही तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने वर्तमान टेस्ट में शानदार 163 रन की पारी खेली है।

बांग्लादेश के पहली पारी में 45 रन 3 विकेट गिर गए थे। इसके बाद रहीम की पारी ने बांग्लादेश को संभाल लिया।

उन्होंने और कप्तान शांतो के साथ 264 रन की ठोस साझेदारी करते हुए मेहमान टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

रहीम ने 350 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौकों की मदद से यह मैराथन पारी खेली।

इस सूची में बांग्लादेशी कप्तान शांतो चौथे नंबर पर आ गए हैं। वह वर्तमान टेस्ट में 150 रन के मील के पत्थर को पार करने से चूक गए और 148 रन पर आउट हो गए।

उन्होंने 279 गेंदों की अपनी पारी के दौरान 15 चौके और एक छक्का लगाया।

बता दें कि बांग्लादेश की पहली पारी में शांतो और रहीम श्रीलंका की धरती पर 250 से अधिक रन की साझेदारी करने वाली दूसरी बांग्लादेशी जोड़ी बन गई है।

टेस्ट में इंग्लैंड में जसप्रीत बुमराह ने हमेशा दी अंग्रेजों को मात

इंदौर। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक बार फिर इंग्लैंड की पिचों पर अपनी धार दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्हें लीड्स में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। यह बुमराह का इंग्लैंड में तीसरा दौरा है, लेकिन इस बार वह केवल तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उनकी भूमिका सीमित जरूर है, लेकिन टीम की सफलता की उम्मीदें अब भी उन्हीं के अनुभव और प्रदर्शन पर टिकी हैं।

सीमित फिटनेस लेकिन बड़ी जिम्मेदारी

जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पांच टेस्ट में ३२ विकेट लेकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। इंग्लैंड दौरे पर उनकी फिटनेस को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने उन्हें केवल तीन मैचों में खेलने की अनुमति दी है। बुमराह ने खुद भी माना कि वह अपने शरीर की सीमाएं समझते हैं। टीम के हित में यही निर्णय बेहतर है।

इंग्लैंड में बुमराह का टेस्ट रिकॉर्ड

बुमराह का इंग्लैंड में प्रदर्शन पहले भी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक यहां ९ टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने ३७ विकेट हासिल किए हैं। उनका औसत २६.२७ रहा है, जबकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ५/६४ और मैच में सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा ९/११० रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में बुमराह प्रभावशाली साबित हुए हैं।

करियर के आंकड़े दिखाते हैं विश्वसनीयता

बुमराह का टेस्ट करियर भी उन्हें भारत का सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित करता है। उन्होंने ४५ टेस्ट मैचों में २०५ विकेट चटकाए हैं, जिसमें उनका औसत १९.४० है। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन एक पारी में ६/२७ और मैच में ९/८६ रहा है। ये आंकड़े उनकी प्रभावशाली गेंदबाजी का प्रमाण हैं।

कप्तान व टीम लीडर की दोहरी भूमिका

बुमराह ने अपने बयान में कहा कि वह कप्तान के रूप में भले कुछ सीमाओं में बंधे हों, लेकिन खिलाड़ी के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साफ किया कि तीन टेस्ट खेलना उनकी योजना है,

छोटी खबरें

ऑस्ट्रेलिया ने मार्नस लाबुशेन को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से किया बाहर

नईदिल्ली,20 जून। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने 25 जून से बारबाडोस में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाले 3 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले से अपने दिग्गज खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन को बाहर कर दिया है। इसी तरह स्टीव स्मिथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में लगी अंगुली की चोट के कारण यह मैच नहीं खेलेंगे। टीम प्रबंधन ने इन दोनों खिलाड़ियों की जगह सैम कॉन्स्टास और जोश इंगलिस को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने लाबुशेन को उनके खराब प्रदर्शन के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर किया है। चयन अध्यक्ष जॉर्ज वेली ने कहा, अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में लाबुशेन टीम के महत्वपूर्ण सदस्य हो सकते हैं। अभी उनका प्रदर्शन उस स्तर पर नहीं रहा है जिसकी हम या वह उम्मीद करते हैं। हम उनके साथ उनके खेल के उन क्षेत्रों पर काम करना जारी रखेंगे, जिनमें सुधार की जरूरत है। हम उम्मीद हैं कि वह चुनौतियों का सकारात्मक तरीके से सामना करेंगे। इस बीच स्मिथ अंगुली का ऑपरेशन न टीम के साथ वेस्टइंडीज पहुंचे हैं। उन्हें 8 सप्ताह तक स्प्लिंट पहनने की सलाह दी गई है। अगर इससे उनकी बल्लेबाजी पर असर नहीं पड़ता है तो वह 3 जुलाई से दूसरे टेस्ट में टिम का हिस्सा होंगे। बेली ने कहा, स्मिथ की चोट को ठीक होने में अब थोड़ा समय और चाहिए होगा। ऐसे में हम उन्हें एक और सप्ताह आराम देंगे और उसके बाद उनकी कार्यक्षमता का आकलन करेंगे। लाबुशेन का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन पिछले कुछ समय से खराब रहा है। 2023 में उनकी औसत सिर्फ 34.91 और 2024 में 30.93 रही थी। 2025 में खेले 4 टेस्ट में लाबुशेन की औसत करीब 16.00 की रही है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में वह 17 और 22 के स्कोर कर पाए थे। लाबुशेन ने अपने टेस्ट करियर में 58 मैचों की 104 पारियों में 46.19 की औसत से 4,435 रन बनाए हैं। इसमें 11 शतक और 23 अर्धशतक शामिल है। कॉन्स्टास ने पिछले साल बॉक्सिंग-डे टेस्ट में भारत के खिलाफ अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का आगाज किया था। इसमें उन्होंने टीम प्रबंधन को प्रभावित किया था। उम्मीद है कि वह शीर्ष क्रम में उस्मान ख्वाजा के साथ जोड़ी बनाएंगे। इस साल की शुरूआत में श्रीलंका में डेब्यू शतक लगाने वाले इंगलिस स्मिथ की अनुपस्थिति में मध्य क्रम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि अंतिम बल्लेबाजी क्रम की पुष्टि मैच से पहले ही की जाएगी।

मिंत्रा की नई फास्ट डिलीवरी सेवा एम-नाउ दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में लॉन्च

नईदिल्ली,20 जून। लोकप्रिय फैशन डिलीवरी प्लेटफॉर्म मिंत्रा ने एम-नाउ नामक एक नई फास्ट डिलीवरी सेवा शुरू की है। बेंगलुरु में पायलट प्रोजेक्ट सफल रहने के बाद इसे अब दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में लॉन्च किया गया है। इस सेवा के तहत ग्राहकों को 30 से 120 मिनट के भीतर फैशन उत्पादों की डिलीवरी मिल रही है।

मिंत्रा का कहना है कि यह सेवा खासतौर पर अचानक जरूरतों और खास मौकों के लिए तेज डिलीवरी की मांग को देखते हुए शुरू की गई है।

एम -नाउ सेवा के लिए मिंत्रा ने दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में 40 से ज्यादा डार्क स्टोर्स बनाए हैं, जिनमें हर स्टोर में 20,000 से 25,000 तक उत्पाद रखे जा सकते हैं।

मिंत्रा अपने इन-हाउस लॉजिस्टिक्स और थर्ड पार्टी डिलीवरी कंपनियों की मदद से इन ऑर्डर्स को 30 से 120 मिनट में ग्राहकों तक पहुंचा रही है।

व्यापार

अब खटाखट कंफर्म होंगे वेटिंग टिकट, रेलवे की नई पहल से सभी यात्रियों को मिलेगी सीट

नई दिल्ली,20 जून। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों में भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के लिए एक अहम फैसला लिया है. रेल मंत्रालय ने घोषणा की है कि अब किसी भी ट्रेन में वेटिंग टिकट की संख्या ट्रेन की कुल क्षमता के 25 फीसदी तक सीमित रहेगी. इस नए नियम का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना और ओवरबुकिंग की समस्या को कम करना है.

रिपोर्ट के अनुसार, अब रेलवे हर ट्रेन के एसी फर्स्ट क्लास, एसी सेकंड, एसी थर्ड, स्लीपर और चेयर कार में कुल बर्थ/सीटों में से अधिकतम 25 फीसदी वेटिंग टिकट जारी करेगा. यह बदलाव दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों जैसे अलग-अलग कोटा को ध्यान में रखते हुए किया गया है.

16 जून से लागू नए नियम के अनुसार कोच के प्रत्येक वर्ग - स्लीपर, 3एसी, 2एसी और 1एसी के लिए कोटा 25 फीसदी तक सीमित कर दिया गया है.

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आंकड़ों से पता चलता है कि चार्ट बनने तक लगभग 20 फीसदी से 25 फीसदी वेटिंग टिकट कन्फर्म हो जाते हैं. इसी आधार पर नई सीमा तय की गई है, ताकि यात्रियों को टिकट की स्थिति के बारे में अधिक स्पष्टता मिल सके. रेलवे बोर्ड के जारी सर्कुलर के बाद देश भर के अलग-अलग जोनल रेलवे ने इस नई व्यवस्था को लागू करना शुरू कर दिया है.

रेलवे के अनुसार, यह नियम सभी श्रेणियों की ट्रेनों, जैसे राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, मेल/एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों पर लागू होगा. उदाहरण के लिए, यदि किसी ट्रेन में 1,000 सीटें उपलब्ध हैं, तो अधिकतम 250 वेटिंग टिकट ही जारी किए जाएंगे. इस कदम से न केवल यात्रियों की यात्रा कन्फर्म होने की संभावना बढ़ेगी, बल्कि ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी.

जनवरी 2013 के सर्कुलर के अनुसार, पहले एसी फर्स्ट क्लास में अधिकतम 30, एसी सेकंड में 100, एसी थर्ड में 300 और स्लीपर क्लास में 400 वेटिंग टिकट जारी किए जा सकते थे. इस कारण यात्रियों को अक्सर आखिरी समय तक टिकट कन्फर्म होने की चिंता रहती थी. रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वेटिंग टिकटों की अधिक संख्या के कारण बिना कन्फर्म टिकट वाले यात्री भी आरक्षित कोच में चढ़ जाते थे, जिससे कोच में भारी भीड़ और अव्यवस्था हो जाती थी. नई नीति से इस अव्यवस्था को रोकने में मदद मिलेगी.

भारी-भरकम बजट में बनाई गई है नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म अखंड 2, बड़े स्तर पर रिलीज की तैयारी

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण अपनी आगामी फिल्म के लेकर चचाओं में हैं। फिल्म का नाम है, अखंड 2। यह साल 2021 में आई अखंड का ही सीक्वल है। हाल ही में अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। फिल्म के बजट पर चर्चा हो रही है और कहा जा रहा है कि इसे मोटी लागत के साथ बनाया गया है।

फिल्म अखंड 2 को बनाने में पानी की तरह पैसा बहाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जानकारी यह है कि यह फिल्म 180 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट में बनी है, जो बालकृष्ण के करियर में अब तक का सबसे बड़ा बजट है। कहा यह भी गया है कि फिल्म की अधिकांश लागत को इसकी नॉन-थियेट्रिकल राइट्स से वसूला जाएगा। फिल्म अखंड 2 का निर्देशन बोयापति श्रीनु ने किया है। अखंड का निर्देशन भी उन्होंने किया था, जो कि बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। सीक्वल से भी काफी ज्यादा उम्मीदे हैं। अपना भारी-भरकम बजट निकालने के लिए फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मेकर्स नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म को व्यापक स्तर पर रिलीज करने की तैयारी में हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला, सेंसेक्स 200 अंक उछला, निफ्टी 24,852 पर

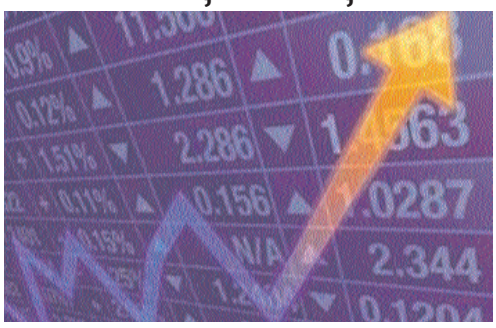

मुंबई,20 जून। कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 200 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 81,593.14 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.24 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,852.30 पर खुला.

कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजार सपाट पर बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 82 अंकों की गिरावट के साथ 81,361.87 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.08 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,793.25 पर क्लोज हुआ.

कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एमएंडएम, टाइटन कंपनी, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, भारती एयरटेल के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहा. जबकि अडाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा और नेस्ले के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 1.5 फीसदी की गिरावट आई. ऑटो को छोड़कर बाकी सभी सेक्टरों में गिरावट देखी गई. आईटी, मीडिया, मेटल, ऑयल एंड गैस और पीएसयू बैंक में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई.

फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने चेतावनी दी कि गर्मियों के दौरान वस्तुओं में महंगाई बढ़ सकती है, जो आंशिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार उपायों से टैरिफ से प्रभावित है. इस बीच, भू-राजनीतिक जोखिमों को बढ़ाने की चिंताओं ने वैश्विक निवेशक भावना को प्रभावित करना जारी रखा.

कार्यपालन अभियंता को लाखों की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने किया रंगे हाथों गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय के साकेत कॉलोनी में स्थित कार्यपालन अभियंता के शासकीय आवास में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को दबिश देकर कार्यपालन अभियंता अजय कुमार को लाखों रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। लोक निर्माण विभाग के विद्युत यांत्रिकी विभाग में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदस्थ अजय कुमार ने ठेकेदार को काम दिलाने के लिए निविदा के पहले ही 2 लाख रुपए की मांग की थी। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम को मिली शिकायत के बाद कार्यवाही करते हुए साकेत कॉलोनी में स्थित कार्यपालन अभियंता के शासकीय आवास में रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम के द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आज प्रदेश में योग संगम-हरित योग थीम पर होगा विशेष कार्यक्रम

00 जिला मुख्यालयों में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रीगण, सांसदगण एवं विधायकगण होंगे मुख्य अतिथि
00 जशपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में होगा योगाभ्यास

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला मुख्यालयों से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक 21 जून को इस बार योग संगम-हरित योग थीम पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला मुख्यालयों में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री द्वय, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण मुख्य अतिथि होंगे। छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले सामूहिक योगाभ्यास में मुख्य अतिथि नामांकित किया गया है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में 21 जून को राजधानी रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में जशपुर जिले के रणजीता स्टेडियम में सुबह 7 बजे सामूहिक योगाभ्यास होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े करेंगी। इस अवसर पर कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, विधायक श्री राधेश्याम राठिया, श्रीमती गोमती साय, श्रीमती रायमुनि भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूपनारायण सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे।

उपमुख्यमंत्री अरूण साव जिला मुख्यालय मुंगेली तथा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा कबीरधाम में तथा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इसी प्रकार बलरामपुर-रामानुजगंज में मंत्री श्री रामविचार नेताम, बेमेतरा में मंत्री श्री दयालदास बघेल, नारायणपुर में मंत्री श्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल, रायगढ़ में मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी, गरियाबंद में मंत्री श्री टंकराम वर्मा, बलौदाबाजार-भाटापारा में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग में सांसद श्री विजय बघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में सांसद श्री संतोष पाण्डेय, सरगुजा में सांसद श्री चिन्तामणी महाराज, महासमुंद में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सांसद श्री राधेश्याम राठिया, जांजगीर-चांपा में सांसद श्री कमलेश जांगड़े, सुकमा में सांसद श्री महेश कश्यप, कांकेर में सांसद श्री भोजराज नाग, सक्ती में सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, बिलासपुर में विधायक श्री अमर अग्रवाल, बीजापुर में विधायक श्री आशाराम नेताम, धमतरी में विधायक श्री अजय चंद्राकर, बस्तर में विधायक श्री किरण सिंह देव, कोरिया में विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े, सूरजपुर में विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में विधायक श्री गुरू खुशवंत साहेब, दंतेवाड़ा में विधायक श्री चैतराम अटामी, बालोद में विधायक श्री ललित चन्द्राकर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची और कोण्डागांव में विधायक श्री नीलकंठ टेकाम मुख्य अतिथि के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

न्यूज गैलरी

आज बिहार जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उससे पता चलता है कि एनडीए सरकार ने वहां की दशा और दिशा बदल दी है - साव

रायपुर। आज बिहार जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उससे पता चलता है कि एनडीए सरकार ने राज्य की दशा और दिशा दोनों बदल दी है। जिन अवसरवादी ताकतों ने कभी बिहार को लूटा और बर्बाद किया, वे अब डरे और सहमे हुए हैं। हकीकत यह है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और नीतीश कुमार के साथ गठबंधन में एनडीए बिहार में प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने जा रहा है। उक्त बातें पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहीं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का जेल नियमों को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए साव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से गुरुवार को जेल से बाहर आने के बाद दिया गया बयान पूरी तरह से राजनीतिक है। वास्तविकता यह है कि जेल नियमों के अनुसार कैदियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं। इस तरह के राजनीतिक बयान उचित नहीं हैं। ऑपरेशन सिंधु पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से न केवल देश के हर नागरिक को प्राथमिकता दी गई है, बल्कि सरकार विदेशों में रहने वाले भारतीयों का भी तत्परता से ख्याल रखती है। ऑपरेशन सिंधु के जरिए ईरान से भारतीय नागरिकों को वापस लाने की कोशिश की जा रही है और उनकी वापसी शुरू भी हो चुकी है। रासायनिक खाद एवं बीज की समस्या को लेकर कांग्रेस की ओर से 25 से 30 जून तक आंदोलन की चेतावनी पर उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा लोगों के साथ धोखा किया। भाजपा की सरकार ने किसानों के हित में काम किया। किसान खुशहाल और समृद्ध हो रहे हैं। प्रदेश की सरकार किसानों के हित के लिए तत्परता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सवेरे अपने निवास कार्यालय में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की। श्री साय ने तैयारियों को लेकर अधिकारियों जरूरी निर्देश दिए। बैठक में छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव सर्व श्री राहुल भगत, श्री पी. दयानंद, डॉ. बसव राजू एस तथा प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

आज पूरी दुनिया, मोदी के नेतृत्व में योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ, की थीम पर योग दिवस मनाएगी - चौधरी

00 देश के 2.5 करोड़ घरों की आबादी का लगभग 8 प्रतिशत लोग करते है कम-से-कम एक सदस्य नियमित योग
00 भाजपा जिला से लेकर मंडल स्तर तक पूरे जोश के साथ मनाएगी योग दिवस:संजय श्रीवास्तव

रायपुर। कल शनिवार 21 जून 2025 को पूरी दुनिया "योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ" की थीम के साथ 11वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रही है। गत दस वर्षों में भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को दुनिया में अपना उचित स्थान मिला है। भारत सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि भारत की योग आधारित अर्थव्यवस्था कुल 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की हो चुकी है और 1 लाख से अधिक प्रमाणित योग शिक्षक दुनिया के 190 देशों में योग सीखने-सिखाने का कार्य कर रहे हैं।

प्रदेश के वित्त मंत्री श्री चौधरी ने शुक्रवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में बताया कि राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के हाल ही में हुए सर्वेक्षण में पाया गया कि देश के 2.5 करोड़ घरों में, जो कि देश की आबादी का लगभग 8 प्रतिशत है, कम-से-कम एक सदस्य नियमित योग करता है। यह योग के भारतीय जीवन शैली से जुड़ाव को दिखाता है और यह स्थापित करता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार आम भारतीय के जीवन की प्राथमिकताओं पर चल रही है। श्री चौधरी ने कहा कि आज के इस कठिन दौर में, जहाँ बीमारियों और जनसंख्या दोनों ही तेजी से बढ़ रही हैं, योग एक ऐसा माध्यम है जिससे हम सभी एक स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल जीवन जी सकते हैं। योग केवल शरीर की क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मा, मन और चेतना को जोड? वाली एक जीवनशैली है। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में यह प्रस्ताव रखा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाए, तब बहुत-से लोग जो पहले योग का मजाक उड़ाया करते थे, उन्हें यह कल्पना भी नहीं रही होगी कि यह पहल एक दिन वैश्विक आंदोलन का रूप ले लेगी। इस ऐतिहासिक क्षण में 177 देशों ने एक स्वर में इस प्रस्ताव का समर्थन किया। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत की जीत थी। श्री मोदी ने न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में भारतीय मूल्यों और परंपराओं के प्रति एक नई जागरुकता उत्पन्न की है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री व राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज की अस्त-व्यस्त और जटिल जीवनशैली में योग हमारे लिए बेहद जरूरी हो चला है। भाजपा योग दिवस के आयोजन के लिए समर्पित है और व्यापक पैमाने पर इस आयोजन में अपनी सहभागिता कर रही है। इस दृष्टि से छत्तीसगढ़ में भी विभिन्न स्तरों पर जागरुकता सत्र, कार्यशालाओं, गोष्ठियों, योग प्रशिक्षण के कार्यक्रम लगातार चल रहे हैं। इससे प्रदेशभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। प्रदेश भाजपा के तत्वावधान में योग दिवस का बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश के सभी तीर्थ, पर्यटन व ऐतिहासिक स्थलों पर योग दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। योग दिवस को व्यापक रूप से आयोजित करने का अलग-अलग विभागों के माध्यम से संगठनों के माध्यम से व्यापक स्तर पर योग दिवस के आयोजन में हम सबकी सहभागिता रहेगी। पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, मीडिया पैनलिस्ट सुनील चौधरी और भाजपा रायपुर (शहर) जिला महामंत्री सत्यम दुवा भी उपस्थित थे।

15 हजार की रिश्वत लेते बिजली विभाग का कनिष्ठ अभियंता गिरफ्तार

लोरमी। लोरमी बिजली विभाग में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता को एसीबी बिलासपुर टीम ने 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। एसीबी टीम के द्वारा बिजली विभाग के जिस कर्मचारी को रिश्वत की लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है वह पहले नेवी में ऑफिसर रह चुका है जो कि रिटायर होने के बाद बिजली विभाग में नौकरी पर है जिसे पहली पोस्टिंग के रूप में लोरमी में कनिष्ठ अभियंता के रूप में पदस्थापना मिली थी।

जानकारी के अनुसार प्रार्थी नंदकुमार साहू निवासी पाली के घर में अवैध कनेक्शन से बिजली चल रहा था जिस पर कार्यवाही न करने के लिए कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता के द्वारा प्रार्थी नंदकुमार साहू से 50 हजार रुपए की मांग की गई थी। जिस पर प्रार्थी 15 हजार रुपए लेकर बिजली कार्यालय पहुंचा और कनिष्ठ अभियंता ने रिश्वत की राशि को बिजली विभाग से लगभग 300 मीटर की दूरी पर एक किराना दुकान के पास पहुंचकर लेने की बात कही। जिसके बाद प्रार्थी उक्त दुकान के पास पहुंचा जहां पर कुछ देर बाद कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता अपनी निजी वाहन क्रमांक सीजी 12 एएल 4403 में पहुंचा जहां प्रार्थी को गाड़ी के अंदर बुलाकर रिश्वत की रकम 15 हजार रुपए ली। जिसके बाद रिश्वतखोर कनिष्ठ अभियंता को एसीबी बिलासपुर टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। गया इसके बाद एसीबी टीम के द्वारा कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मुंगेली न्यायालय में पेश किया जाएगा।

बीना शुक्ला को पी.एच.डी. की उपाधि

रायपुर। रामकृष्ण शिक्षण संस्थान में बी.एड. संकाय में पदस्त बीना शुक्ला विषय "हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षणिक रुचि एवं शैक्षिक समायोजन क्षमता पर प्रभाव का अध्ययन" पर पी.एच.डी. कंप्लीट की। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के 600 विद्यार्थी पर शोध कार्य पूर्ण किया। यह पी.एच.डी. उन्होंने डॉ. संगीता सराफ के मार्गदर्शन में किया। बीना कलिका प्रसाद शुक्ला (रिटायर्ड इंस्पेक्टर), श्रीमती प्रेमा शुक्ला की पुत्री और नीतीश अवस्थी की धर्म पत्नी व स्व. राम प्यारे अवस्थी, स्व. चंद्र कांता अवस्थी की पुत्र वधु है।

मारे गये नक्सली की शव यात्रा नक्सली झंडे बैनर, फूलों से सजे वाहन में महिमामंडित नारों के साथ निकाली गई

जगदलपुर। सुकमा जिले के सीमा क्षेत्र के इलाके में 18 जून को आंध्रप्रदेश की ग्रेहाउंड्स फोर्स ने तेलंगाना निवासी 40 लाख के इनामी और सेंट्रल कमेटी मेंबर नक्सली गजराला रवि उर्फ उदय सहित 3 नक्सलियों कों 18 मई को ढेर कर दिया था। मुठभेड़ के बाद तेलंगाना पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया था। जिसका आज शुक्रवार को पड़ोसी राज्य तेलंगाना में नक्सली गजराला रवि उर्फ उदय की शव यात्रा निकाली गई है। इस दौरान छग. एवं तेलंगाना दोनों राज्यों के नक्सली समर्थक व परिजन और गांव के लोग बड़ी संख्या में बकायदा नक्सलियों के झंडे बैनर लेकर अंतिम संस्कार में शामिल हुए। गजराला रवि के शव यात्रा की विडियो एवं तस्वीरें सामने आई है, जिसमें नक्सली समर्थक व परिजन के साथ उसका पूरा गांव उसके शव को एक फूलों से सजे शव वाहन में रखकर नक्सलियों के झंडे बैनर लेकर, साथ ही बैंड बजाते और नारे लगाते शव यात्रा निकालकर एक दुर्दांत नक्सली को महिमामंडित किया गया।इससे पूर्व एक करोड़ का ईनामी चलपति एवं भास्कर राव के मारे जाने के बाद भी इसी तरह से नक्सलियों के झंडे बैनर लेकर, नारे लगाते हुए, बड़ी संख्या में नक्सली समर्थक शव यात्रा निकालकर दुर्दांत नक्सलियों का महिमामंडन किया गया था।

पुलिस रिकॉर्ड्स के अनुसार 40 लाख का इनामी दुर्दांत नक्सली गजराला रवि तेलंगाना के वेलिशाला इलाके का रहने वाला था। नक्सल संगठन ने इसे सेंट्रल कमेटी मेंबर में शामिल किया था। साथ ही ये आंध्र-ओडिशा बॉर्डर स्पेशल जोनल कमेटी का भी सदस्य था। पिछले कई सालों से नक्सल संगठन में सक्रिय था। नकसली संगठन के बड़े कैडर के इनामी दुर्दांत नक्सलियों के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद नक्सली समर्थकों के द्वारा खुले आम शव को एक फूलों से सजे शव वाहन में रखकर नक्सलियों के झंडे बैनर लेकर, बैंड बजाते हुए मारे गये दुर्दांत नक्सली के समर्थन में नारे लगाते हुए शव यात्रा निकालकर किसी दुर्दांत नक्सली को महिमामंडित करने से सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि तेलंगाना प्रदेश में नक्सलियों की जड़े कितनी मजबूत है। वहीं केंद्र सरकार मार्च 2026 तक देश भर से नक्सलियों के खत्मा का ख्वाब देख रही है, जब तक इनामी दुर्दांत नक्सलियों के समर्थक इस बड़ी तादाद में पड़ोसी राज्य तेलंगाना में रहेंगे और मारे गये नक्सलियों का महिमामंडन होता रहेगा तब तक नक्सलवाद के खात्में की परिकल्पना एक दिवा स्वप्न के समान होगा।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. कहना है कि पिछले कुछ महीने से नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। नक्सलियों के महासचिव बसवा राजू, सुधाकर, चलपति समेत कई बड़े कैडर के नक्सली मारे गए हैं, 18 जून को नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी का सदस्य गजराला रवि, स्टेट कमेटी मेंबर अरुणा समेत 3 नक्सलियों को मारा गया था। उन्होने कहा कि एक वर्ष में 13 बड़े कैडर के नक्सली मारे गये हैं, नक्सलियों का खात्मा होना निश्चित है।

30 जून तक जेल में रहेंगे लखमा, ईओडब्ल्यू के विशेष कोर्ट में हुए पेश

रायपुर। 2100 करोड़ के शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को ईडी ने शुक्रवार को विशेष ईओडब्ल्यू कोर्ट में पेश किया गया। जहां दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने लखमा को 30 जून तक न्यायिक रिमांड में भेजने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय हैं कि ईडी ने पिछले सप्ताह ही लखमा की 6.50 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी और शराब घोटाला मामले में ईडी 30 जून को पूरक चालान पेश करेगा।

बाल श्रमिक सर्वेक्षण अभियान के तहत टास्क फोर्स ने किया निरीक्षण

05 राइस मिल व पंचवटी ढाबा का किया गया निरीक्षण

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर ३० जून तक जिले में बाल श्रमिक सर्वेक्षण अभियान का संचालन टास्क फोर्स द्वारा किया जा रहा है। जिसके तहत आज टास्क फोर्स द्वारा औद्योगिक क्षेत्र नयनपुर, गिश्वरगंज व सूरजपुर में संचालित ०५ राइस मिल, महामाया राइस मिल, मित्तल राईस मिल, साकेत प्रोडक्ट इंडस्ट्रीज, ओम राइस प्रोडक्ट्स, विद्या गैस इण्डस्ट्रीज एवं पंचवटी ढाबा में निरीक्षण किया गया। जिसमें संचालकों को बाल श्रमिक अधिनियम के संबंध मे जानकारी दी गई एवं बाल श्रम उन्मूलन हेतु ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करने की अपील भी की गई। इसके साथ ही बाल श्रम से संबंधी सूचना के प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर कार्यरत मजदूरों से उनके पारिश्रमिक एवं भुगतान संबंधी जानकारी लेते हुए उन्हें उनके हितों एवं विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।बाल एवं किशोर श्रम से संबंधित शिकायत के लिए जिला प्रशासन द्वारा मोबाइल नंबर जारी किया गया है। जिसके तहत श्रम कल्याण निरीक्षण श्री रमेश साहू मो. नं. ९००९९९८६६०, , श्रम निरीक्षक मो. असलम परवेज कादरी मो.न. ७२४७६७९९७८ तथा श्रम उप निरीक्षक पंखासियुस मो.न. ९४७९२१९७४८ से संपर्क कर आम नागरिक बाल श्रम से संबंधित सूचना दे सकते है। निरीक्षण में श्रम पदाधिकारी के. केरकेट्टा, श्रम निरीक्षक मो. असलम परवेज कादरी, श्रम कल्याण निरीक्षण रमेश साहू, श्रम उप निरीक्षक पंखासियुस, जिला बाल संरक्षण इकाई से अंजनी साहू, सामाजिक कार्यकर्ता पवन बीवर, आउटरीच वर्कर सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com